दैनिक
एशियन रिपोर्टर
RNI:MPHIN/2013/54853
WWW.Asianreporter.online
संपादक: कल्याण मल जैन प्रधान संपादक: सुश्री मैना जैन
वर्ष - 11 | अंक -109 | भोपाल, बुधवार, 19 फरवरी, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रूपये

एशियन रिपोर्टर समूह
Since 1994
मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से संचालित साप्ताहिक एवं दैनिक समाचार पत्र, ईपेपर, न्यूज पोर्टल और यूट्यूब चैनल से जुड़कर पत्रकारिता सीखने अथवा निष्पक्ष, निर्भीक, राष्ट्रवादी पत्रकारिता करने के लिए संपर्क करें।
केवल व्हाट्सअप - 8349212122

रणनीतिक स्तर तक पहुंचेंगे भारत-कतर संबंध, समझौते पर हस्ताक्षर

उर्जा क्षेत्र में भी मजबूत होगी साझेदारी

नई दिल्ली। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने मार्च 2015 में आखिरी बार भारत का दौरा किया था। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2024 में अपना दूसरा कतर का दौरा किया, तो उन्होंने अमीर को भारत का राजकीय दौरा करने के लिए आमंत्रित किया था। कतर के अमीर के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है, जिसमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापारिक नेता शामिल हैं।

आने वाले गणमान्य व्यक्तियों में कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) के सचिव (कांसुलर, पासपोर्ट और वीजा) अरुण कुमार चटर्जी ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज सुबह राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने अमीर का औपचारिक स्वागत किया। राष्ट्रपति (मुर्मू) आज शाम को भी अमीर और उनके प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगी और उनके सम्मान एक रात्रिभोज का आयोजन भी करेंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अमीर के साथ हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की।

संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने के लिए समझौता

मंत्रालय ने आगे बताया कि भारत और कतर ने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। दोनों नेताओं के बीच चर्चा में व्यापार, निवेश और उर्जा प्रमुख विषय थे। आज भारत और कतर के बीच सालाना करीब 14 अरब डॉलर का व्यापार होता है। दोनों पक्ष अगले पांच वर्षों में इसे दोगुना करने का लक्ष्य तय करने पर सहमत हुए हैं। कतर भारत में निवेश के लिए भी एक महत्वपूर्ण भागीदार देश है।इसने आगे कहा, कतर निवेश प्राधिकरण ने वर्तमान में भारत में करीब 1.5 अरब डॉलर का विदेशी निवेश किया है। दोनों नेताओं ने भारत में उन क्षेत्रों की भी पहचान की, जिनमें कतर निवेश प्राधिकरण निवेश बढ़ा सकता है।भारत और कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्रियों की सह-अध्यक्षता में आज संयुक्त बिजनेस फोरम का आयोजन किया गया, जिसमें दोनों देशों के शीर्ष उद्योगपतियों, कंपनियों और संस्थानों के बीच काफी सार्थक बातचीत हुई।

आस्था के महाकुंभ में आधी आबादी ने लगाई डुबकी

प्रयागराज। संगमनगरी में 13 जनवरी से आयोजित हो रहा दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम 'महाकुंभ 2025' अब इतिहास रच चुका है। यहां अब तक 55 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम की है। 55 करोड़ से अधिक की यह संख्या किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मानव इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है।एक अनुमान के मुताबिक भारत में कुल 110 करोड़ सनातनी निवास करते हैं। इस लिहाज से महाकुंभ में देश की आधे सनातनी त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाकर पुण्य फल प्राप्त कर चुका है। 26 फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक यह संख्या 60 करोड़ से भी ज्यादा हो सकती है।

मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुंभ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी कि स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा।

उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी।सर्वाधिक करीब आठ करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा वसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी।

सत्येंद्र जैन पर मुकदमा चलाने मिली राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन पर मुकदमा चलाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से जरूरी मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रपति से सत्येंद्र जैन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का अनुरोध किया था। इस मामले की जांच ईडी कर रही है। जैन के खिलाफ

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगी गई थी। मंत्रालय ने पर्याप्त सबूतों के आधार पर मंजूरी देने का अनुरोध किया था।ईडी ने हवाला सौदों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन पर मामला दर्ज किया था और मई 2022 में उन्हें गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के दौरान जैन दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे। गिरफ़्तारी के नौ महीने बाद फ़रवरी 2023 में उन्होंने इस्तीफ़ा दे दिया था। वह फिलहाल इस मामले में जमानत पर बाहर हैं। ईडी इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।ईडी ने आरोप लगाया था कि इस पैसे का इस्तेमाल दिल्ली और उसके आसपास खेती की जमीन खरीदने में किया गया था।

ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी

मध्यप्रदेश तीसरी बड़ी नदी जोड़ो परियोजना से लाभान्वित होगा

भोपाल। मध्यप्रदेश में मोहन यादव सरकार की कैबिनेट बैठक हुई, जिसमें कई अहम फैसले लिए गए। इस बैठक के बाद, मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इन फैसलों की जानकारी दी। ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। यह परियोजना प्रदेश के जल संकट को कम करने के उद्देश्य से अहम कदम साबित होगी। इस परियोजना के तहत 273 किलोमीटर लंबी नहर का निर्माण किया जाएगा, जिससे 11.76 मिलियन क्यूबिक मीटर जल से भूमिगत जल को रिचार्ज किया जाएगा। यह जल खंडवा जिले के 1,23,000 हेक्टेयर क्षेत्र में पानी की आपूर्ति करेगा।

इस परियोजना के माध्यम से राज्य में कृषि, जलस्त्रोतों और भूजल स्तर में सुधार लाने की उम्मीद जताई जा रही है।प्रारंभ में, इस योजना से खंडवा जिले के किसानों को लाभ होगा, जो नियमित रूप से जल संकट का सामना करते हैं। नहर के निर्माण से न केवल क्षेत्रीय जल आपूर्ति बेहतर होगी, बल्कि यह पर्यावरणीय सुधार की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम होगा।मध्यप्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा देने का लक्ष्य तय किया गया है। इस क्षेत्र में निवेश करने वालों को 40 फीसदी तक अनुदान दिया जाएगा। 10 करोड़ रुपए से अधिक निवेश करने वाले निवेशकों को 1.3 गुना अनुदान दिया जाएगा।

कार्यक्रम नक्शा की हुई शुरूआत

रायसेन। दशहरा मैदान में आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'नक्शा' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह एक राष्ट्रव्यापी पायलट प्रोजेक्ट है, जिसका मकसद शहरी भूमि सर्वेक्षण को आधुनिक तकनीक से पारदर्शी और सटीक बनाना है। इस मौके पर केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र पटेल और जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार सहित अन्य नेता और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि ड्रोन उड़ाकर 'नक्शा' प्रोग्राम की राष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत की गई। इसके तहत पूरे देश में आधुनिक तकनीकों से भूमि रिकॉर्ड को डिजिटल किया जाएगा। इससे भू-सूचना को सटीक और पारदर्शी बनाया जा सकेगा, जिससे जमीन से जुड़े विवादों में भी कमी आएगी।इसके अलावा, इस मौके पर 'वाटरशेड यात्रा' की भी शुरुआत हुई, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण और जल स्रोतों के बेहतर प्रबंधन पर जोर देना है। कार्यक्रम में 'नक्शा' की एसओपी पुस्तिका, फ्लायर और एक विशेष वीडियो भी जारी किया गया, जिससे लोगों को इस योजना की जानकारी मिल सके।सरकार का कहना है कि इससे नागरिकों को अपनी भूमि संबंधी जानकारी डिजिटल रूप से आसानी से उपलब्ध होगी और सभी रिकॉर्ड पारदर्शी होंगे।

कामायनी एक्सप्रेस में बम की अफवाह से हड़कंप

सागर। मंगलवार को कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 11072 में बम की अफवाह से रेलवे प्रशासन के हाथपांव फूल गए। मप्र के बीना स्टेशन पर ट्रेन को रोककर रेलवे प्रशासन, जीआरपी, आरपीएफ सहित अन्य अमले ने पूरी ट्रेन को खाली कराया। इसके बाद ट्रेन की सघन चैंकिंग की। एक-एक बर्थ और एक-एक हिस्से की जांच की गई। बम स्कॉयड की जांच में भी ट्रेन में कुछ नहीं निकला। इधर चार घंटे तक ट्रेन के यात्री प्लेटफॉर्म के बाहर दहशत के साये में बैठे रहे।रेलवे से मिली जानकारी अनुसार रेलवे को गोरखपुर में सूचना मिली थी कामायनी एक्सप्रेस के डिब्बे में बम रखा गया है। इसके बाद रेलवे में हड़कंप मच गया। इधर रेलवे ने रास्ते के सारे स्टेशनों को अलर्ट भेजा था। ट्रेन दोपहर में बीना पहुंची थी। यहां पहले से सुरक्षा के लिहाज से आरपीएफ, जीआपी सहित अन्य अमले को अलर्ट कर दिया गया था। बम स्कायड भी स्टेशन पहुंच गया था। ट्रेन को 11.30 बजे बीना के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर रोका गया।जीआरपी व आरपीएफ ने यात्रियों को ट्रेन से बाहर उतरने के लिए कहा था। यात्रियों में दहशत न बने या भगदड़ न मचे इस कारण उन्हें बम की सूचना की जानकारी नहीं दी गई थी। करीब 4 घंटे तक चली सर्चिंग के बाद ट्रेन में बम तो ढीक कुछ भी आपत्तिजनक सामान तक नहीं मिला। क्लीन चिट मिलने के बाद ट्रेन को भोपाल स्टेशन के लिए रवाना किया गया।बीना स्टेशन पर जैसे ही पूरी ट्रेन खाली हुई तो प्लेटफॉर्म पर उनकी भारी भीड़ जमा हो गई। इस कारण अधिकारियों ने प्लेटफॉर्म पर लगी लोहे की रैलिंग को तोड़ दिया और यात्रियों को प्लेटफॉर्म से हटाकर बाहर किया गया।

संक्षिप्त खबर

शपथ की तारीख तय नाम पर सस्पेंस जारी

नई दिल्ली। नए मुख्यमंत्री के नाम पर दिल्ली बीजेपी के सभी विधायकों में सस्पेंस बरकरार है। 20 तारीख को रामलीला मैदान में नए सीएम का शपथ ग्रहण होना है। इसे लेकर जोर शोर से तैयारियां भी चल रही हैं। इसी बीच यह खबर सामने आ रही है कि बीजेपी दिल्ली के नए सीएम के शपथ ग्रहण में एक लाख दिल्ली वालों को बुलाने पर विचार कर रही है। इस दौरान मंदिर के पुजारियों से लेकर दिल्ली की सभी झुग्गी बस्ती एरिया के 250 विस्तारकों को भी आमंत्रित किया गया है।अरविंद केजरीवाल की राजनीति की नींव झुग्गी बस्ती इलाके ही रहे हैं। बीजेपी केजरीवाल के वोट-बैक में सेंधमारी का प्रयास कर रही है। अगर बीजेपी अपने मकसद में कामयाब हो जाती है तो अरविंद केजरीवाल के लिए 5 साल बाद वापसी कर पाना मुश्किल हो जाएगा। उधर, शपथ ग्रहण में किस-किस नेता को बुलाया जाएगा, इसकी लिस्ट बनाई जा रही है। हालांकि दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा यह एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब हर एक दिल्ली वाला जानना चाहता है।पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित बीजेपी के तमाम बड़े नेता मंथन में लगे हुए हैं।औपचारिक तौर पर बीजेपी के विधायक दल की बैठक आज यानी 19 फरवरी को होनी है। इस दौरान सभी विधायक मिलकर अपना नेता चुनेंगे। यह पूरी प्रक्रिया सीएम को लेकर होगी। उधर, आम आदमी पार्टी भी चुनाव नतीजों के 11 दिन बाद भी राज्य में सरकार नहीं बना पाने के कारण बीजेपी पर हमलावर है।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर कांग्रेस का विरोध

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने मंगलवार को ज्ञानेश कुमार को नए मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त करने पर चिंता व्यक्त की, चयन समिति के गठन को लेकर चल रही कानूनी चुनौती के बीच निर्णय की जल्दबाजी पर सवाल उठाया। कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव न केवल निष्पक्ष होने चाहिए बल्कि निष्पक्ष प्रतीत भी होने चाहिए, उन्होंने इस कदम की आलोचना कर सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार और संविधान की मूल भावना का उल्लंघन बताया। कांग्रेस सांसद तिवारी ने कहा कि इस मामले के लिए चयन समिति के गठन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। मामले को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। इसके बाद इतनी जल्दी क्या थी कि इस दौरान नियुक्ति कर दी गई? ...लोकतंत्र में चुनाव न केवल निष्पक्ष होने चाहिए बल्कि निष्पक्ष दिखने भी चाहिए...यह सुप्रीम कोर्ट और संविधान की मूल भावना की अवमानना है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महीने की शुरुआत में लोकसभा में एक भाषण के दौरान मोदी सरकार के प्रभुत्व वाले पैनल की संरचना पर सवाल उठाए थे। चयन समिति की बैठक में भाग लेने के दौरान राहुल गांधी ने नियुक्ति की प्रणाली पर आपत्ति जताकर एक असहमति पत्र प्रस्तुत किया। इसके पहले चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत का नया मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया था।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस की 189वीं जयंती: पीएम मोदी ने किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान संत स्वामी रामकृष्ण परमहंस की 189वीं जयंती पर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक विशेष वीडियो पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने स्वामी रामकृष्ण परमहंस के योगदान और उनकी आध्यात्मिक शिक्षाओं को याद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोस्ट करते हुए, कहा सभी देशवासियों की ओर से स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा, कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस एक ऐसे संत थे जिन्होंने मां काली का स्पष्ट साक्षात्कार किया था और उनके चरणों में अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया था। वे कहते थे कि संपूर्ण जगत, चराचर सृष्टि मां की चेतना से व्याप्त है। यही चेतना बंगाल की काली पूजा में दिखती है और यही चेतना पूरे भारत की आस्था में समाहित है।

राम मंदिर परिसर में ड्रोन गिरने की घटना से, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

मंदिर की सुरक्षा को बढ़ाया गया

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर परिसर में ड्रोन गिरने की घटना से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि यह ड्रोन 3 नंबर गेट के पास उड़ रहा था, तभी एंटी-ड्रोन सिस्टम की मदद से मार गिरा दिया गया। इस घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां ने जांच शुरू कर दी गई है।

सोमवार शाम जब श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रामलला दर्शन के लिए आई थी, तभी मंदिर परिसर में एक ड्रोन गिरने की घटना सामने आई। पुलिस ने तुरंत ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में यह आशंका है कि भीड़ में भगदड़ मचाने के मकसद से यह हरकत की गई हो। जानकारी के अनुसार, मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है कि ड्रोन गिराने की यह घटना किसी साजिश का हिस्सा तो नहीं है। मामले की गंभीरता को देखकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी गई है।

दिल्ली सीएम का फैसला आज

दिल्ली में 27 साल बाद कल होगी भाजपा की ताजपोशी, केजरीवाल समेत 50000 को न्योता

नई दिल्ली। 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में लौटी बीजेपी का सीएम कौन होगा, इससे बुधवार को पर्दा उठ जाएगा। उधर, 20 फरवरी को रामलीला मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। समारोह के समय में बदलाव किया गया। समारोह अब दोपहर 12 बजे होगा। इससे पहले पार्टी नेताओं ने कहा था कि समारोह 4-30 बजे होगा।

विधानसभा चुनाव के बाद दिल्ली में नए मुख्यमंत्री का इंतजार बुधवार को खत्म हो जाएगा। भाजपा विधायक दल अपना नेता चुनेगा। पार्टी नेताओं ने कहा कि 20 फरवरी को ऐतिहासिक रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। कहा कि मुख्यमंत्री और पूरा मंत्रिमंडल एक भव्य समारोह में शपथ लेगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री और कई मशहूर लोग शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि इस कार्यक्रम में भारी भीड़ आने की उम्मीद है। करीब 40 मशहूर हस्तियों को बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि समारोह शाम 4.30 बजे न होकर अब दोपहर 12 बजे होगा।

भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं, आरडब्ल्यूए, समाज के विभिन्न वर्गों और संतों सहित लगभग 50,000 लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। यह एक भव्य कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कैबिनेट मंत्री मौजूद रहेंगे। यह लगभग 25-30 मिनट तक चलेगा। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान को समारोह के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि विभिन्न क्षेत्रों के लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा बनना चाहते हैं।

डंपर और पिकअप वैन में भिड़ंत, 5 की मौत, 12 घायल

भिंड। जिले के जवाहरपुरा गांव के पास नेशनल हाइवे 719 पर दर्दनाक हादसा हो गया है। डंपर और पिकअप वैन की भिड़ंत में 5 की मौत हो गई जबकि 12 लोग घायल है। इन्हे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना मंगलवार सुबह करीब पांच बजे हुई, जब कुछ लोग एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। इनमें से कुछ लोग वैन में बैठे थे और कुछ सड़क पर खड़े थे, तभी अचानक तेज रफ्तार डंपर ट्रक ने उन्हें और उनके वाहन को टक्कर मार दी।

भिंड जिले के एसपी असित यादव ने बताया कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने बाद में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया। एसपी ने बताया कि वह अन्य अधिकारियों के साथ स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पहुंचे। घटना को अंजाम देने के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया है।सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया। जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महाशिवरात्रि के अवसर पर अमरकंटक में आयोजित होने वाले मेले में सभी व्यवस्थाएं रहे चाक चौबंद- कलेक्टर

अनूपपुर

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर अमरकंटक में आयोजित होने वाले 5 दिवसीय मेले मे सभी व्यवस्थाएं चुस्त एवं दुरुस्त रहे। उन्होंने कहा कि मेले में दुकान लगाने वाले व्यापारियों को सूचीबद्ध करें तथा मेले में कानून व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, फायर सेफ्टी, स्वास्थ्य शिविर, एंबुलेंस व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट तथा यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अमरकंटक मेला ग्राउंड के पीछे तथा गोंडवाना मेला ग्राउंड में पार्किंग स्थल की व्यवस्था भी बनाई जाए तथा मेले हेतु कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी भी लगाई जाए। कलेक्टर ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए तथा साफ सफाई एवं मेला ग्राउंड में विद्युत व्यवस्था बेहतर हो, अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित

जिले में नशीली दवाइयों के विक्रय के विरुद्ध की जाए आवश्यक कार्यवाही-कलेक्टर

कर रहे थे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय विशिष्ट शर्मा, अपर कलेक्टर श्री दिलीप पाण्डेय, सहायक कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ श्री महिपाल सिंह गुर्जर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी श्रीमती अंजली द्विवेदी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर श्री सुधाकर सिंह सहित जिले के सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूलों में चलाया जाए नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम

कलेक्टर ने अधिकारियों को स्कूलों में नशा मुक्ति के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूलों में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का कैलेंडर जारी करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए तथा औषधि निरीक्षक को पुलिस बल के साथ जिले में संचालित दवाई दुकानों का निरीक्षण कर नशीली दवाइयों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए। इसी प्रकार बैठक में कलेक्टर ने जिले में अफीम, गांजा तथा अन्य नशीली फसलों का भी निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने एवं समय सीमा की बैठक में की गई कार्यवाहियों की जानकारी देने के निर्देश औषधि निरीक्षक को दिए। बैठक में स्वामी विवेकानन्द युवा शक्ति मिशन के संबंध में पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से आईटीआई के प्राचार्य ने उसके उद्देश्य तथा विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के संबंध में अवगत कराया।

ध्वनि विस्तारक यंत्र के विरुद्ध करें कार्यवाही

बैठक में कलेक्टर ने अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा की टाइम टेबल जारी हो चुकी है तथा इस दौरान बच्चे अपनी परीक्षा की तैयारी में जुटे हुए हैं। अगर किसी क्षेत्र में रात्रि 10:00 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्र लाउड वॉल्यूम में बजते मिलता है, तो संबंधित पर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारी चलाएं नाइट क्लीनिंग अभियान

बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में नाइट क्लीनिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय के सभी क्षेत्रों में साफ सफाई एवं स्वच्छता बेहतर हो तथा नाइट क्लीनिंग अभियान में चल रही गतिविधियों की जानकारी फोटो सहित व्हाट्सएप ग्रुप में भेजा जाए। बैठक में कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने जिले के सभी विभागीय अधिकारियों को 31 मार्च तक ई-ऑफिस प्रणाली में शिफ्ट होने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले के सभी अधिकारियों को 31 मार्च से अवकाश ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से स्वीकृत होगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी विभागीय नस्तियों को ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्राप्त करें।

आध्यात्मिक सत्संग का तीसरा दिवस, मन एकाग्रता से ही सफलता मिलती है : केशवानंद

सीधी,

कुमार तिवारी, डॉ. राम लला शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता लाल मणि सिंह चौहान, बाला प्रसाद गुप्त, श्रीमती मीना गुप्ता, श्रीपाली गुप्ता, हीरा सिंह चन्देल, सहित चिन्मय मिशन सीधी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। सत्संग में चिन्मय आश्रम अकोला महाराष्ट्र से पधारे पूज्य स्वामी श्री केशवानंद जी का आध्यात्मिक उद्बोधन प्रत्येक दिवस सायंकाल श्रीमद् भागवत गीता तथा प्रातः काल दृगदृश्य विवेक पर स्वामी जी का उद्बोधन चल रहा है। चिन्मय मिशन सीधी के जिला अध्यक्ष डॉ. लहरी सिंह, सचिव मुकुट धारी सिंह चौहान, उपाध्यक्ष उमापति सिंह गहरवार, कोषाध्यक्ष देवी चरण शर्मा, रूपेश मिश्रा, विश्वनाथ सिंह चौहान, जगत बहादुर सिंह, प्रह्लाद प्रसाद गुप्ता एवं समस्त चिन्मय सदस्यों ने आध्यात्मिक प्रेमी सत्संगियों से परिवार सहित इस सम्मेलन नियमित रूप से भाग लेकर अमूल्य अवसर से लाभान्वित होने की अपील की है।

प्रमुख संक्षिप्त

महाशिवरात्रि में शिव भक्त निकालेंगे भगवान भोलेनाथ का भव्य शिव बारात यात्रा एवं चल समारोह

मानपुर। नगर परिषद मानपुर में देवों के देव महादेव भगवान भोलेनाथ की शिव बारात चल समारोह यात्रा पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी आयोजक समिति खंड पार्थिवेश्वर महादेव विवाह उत्सव समिति मानपुर द्वारा महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर दिनांक 26/02/2025 दिन बुधवार को दोपहर 3:00 बजे बाबा महाकाल जी की अलौकिक प्रतिमा एवं आकर्षक पालकी के साथ भव्य शोभायात्रा स्थान शिव मंदिर फॉरेस्ट ऑफिस से चलकर मेन बाजार होते हुए पुरानी बाजार रामलीला प्रांगण स्थित शिव मंदिर तक निकली जाएगी उक्ताशय की जानकारी देते हुए आयोजन समिति के सदस्य सचिन (बबलू) यादव ने बताया की भगवान भोलेनाथ की भव्य शोभा यात्रा पुरानी बाजार रामलीला प्रांगण में पहुंचने के उपरांत प्रांगण स्थित शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती के शुभ विवाह का कार्यक्रम रखा गया है भगवान भोलेनाथ के विवाह पश्चात भव्य महाप्रसाद भंडारे का आयोजन भी समिति द्वारा किया गया है समिति ने नगर के सभी धर्मानुरागी शिव भक्तों से प्रार्थना की है की भगवान भोलेनाथ के भव्य चल समारोह शोभा यात्रा में पहुंचकर महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करें एवं अपने जीवन को सफल बनावे!!

गौपालन एवं गौसंवर्धन समिति की बैठक सम्पन्न

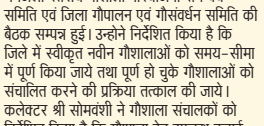

सीधी । कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय गौशाला परियोजना समन्वय समिति एवं जिला गौपालन एवं गौसंवर्धन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। उन्होने निर्देशित किया है कि जिले में स्वीकृत नवीन गौशालाओं को समय-सीमा में पूर्ण किया जाये तथा पूर्ण हो चुके गौशालाओं को संचालित करने की प्रक्रिया तत्काल की जाये। कलेक्टर श्री सोमवंशी ने गौशाला संचालकों को निर्देशित किया है कि गौशाला हेतु उपलब्ध कराई गई राशि का ब्यौरा गठित टीम को उपलब्ध कराये। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर प्रशांत त्रिपाठी, उपखण्ड अधिकारी सिंहावल एसपी मिश्रा, कुसमी प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, डीएसपी गायत्री तिवारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र में रिक्त पदों की पूर्ति हेतु जारी पात्र-अपात्र की सूची के विरुद्ध दावा आपत्ति 28 फरवरी तक किए जा सकते हैं प्रस्तुत

अनूपपुर । सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत जिला दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र अनूपपुर के सफल संचालन हेतु पूर्व सत्र 2023-24 के कार्यालयीन विज्ञप्ति दिनांक 31 अगस्त 2023 द्वारा संविदा आधार पर रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञप्ति जारी किया गया था, जिसमें आवेदन पत्रों की स्वरूटनी एवं सारणीकरण किया गया, जिसमें अटेंडर, प्यून, मैसेंजर एवं चौकीदार पद में कुछ अभ्यर्थियों के परीक्षा परिणाम ग्रेड में होने के कारण पात्र-अपात्र सूची जारी करने में कठिनाई हुई, जिसके संबंध में समिति की अनुशंसा उपरांत संचालनालय से मार्गदर्शन आधार पर पात्र-अपात्र सूची तैयार कर की गई है। उपरोक्त के अतिरिक्त शेष पदों हेतु सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत जिला दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र अनूपपुर के सफल संचालन हेतु कार्यालयीन विज्ञप्ति दिनांक 19 सितम्बर 2024 द्वारा संविदा आधार पर रिक्त पदों की पूर्ति हेतु जारी विज्ञप्ति में अंतिम तिथि तक प्राप्त आवेदन पत्रों के स्वरूटनी एवं सारणीकरण पश्चात् पदवार अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता में प्राप्त प्रतिशत (अंक पद्धति) के आधार पर समिति की अनुशंसा उपरांत मल्टीपर्पज रिहैब्लीटेशन वर्कर, ट्रांस डिसीप्लीनरी स्पेशल एडुकेटर (एमआर) एवं वेकेशनल काउंसलर कम कम्प्यूटर असिसटेंट पदों हेतु प्रारंभिक पात्र-अपात्र सूची जारी कर दी गई है।

टवेरा अनियंत्रित होकर पलट जाने से 04 घायल

रतलाम।

रतलाम के थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा क्षेत्र में सवारी वाहन टवेरा अनियंत्रित होकर पलट जाने से 04 घायलों को, डायल 112 जवानों ने पलटी खाई हुई गाड़ी से निकाल कर टोल टैक्स को एंबुलेंस से तत्काल इलाज हेतु अस्पताल जावरा पहुँचाया थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा की डायल 100 एफआरडी वहां दूसरे इवेंट में व्यस्त होने से थाना बड़ावदा क्षेत्र में डायल 100 एफआरवी को इवेंट प्राप्त हुआ कि घटनास्थल ग्राम राजाखेड़ी ढाबे के पास सांवलिया जी से इंदौर जा रही टवेरा गाड़ी मोटरसाइकिल वालों को बचाने के चक्कर में अन बैलेंस होकर खाई में गिर गई है डायल 100 एफआरबी स्टाफ इवेंट मिलने पर तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे तथा पलटी खाए हुए वाहन में चार आदमी जो अंदर बुरी तरह फंसे हुए थे डायल 100 एफआरबी स्टाफ ने उन्हें निकाला तथा तत्काल नजदीकी टोल टैक्स की एंबुलेंस के जरिए इलाज हेतु जावरा अस्पताल पहुंचाया ! कॉलर द्वारा बताया गया कि थाना औद्योगिक क्षेत्र के ग्राम राजाखेड़ी में ढाबे के पास में एक चार पहिया सवारी वाहन टवेरा इसमें चार यात्री सवार थे अनियंत्रित होकर पलट जाने से चारों व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गए है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल में दिनाँक 17/02/2025 को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर थाना औद्योगिक क्षेत्र की डायल 100 एफआरबी वाहन व्यस्त होने से नजदीकी थाना बड़ावदा की थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ आरक्षक गोपाल सिंह सोनगरा एवं पायलेट शौकत मंसूरी ने मौके पर पहुँचकर बताया कि कार अनियंत्रित होकर पलट जाने से सभी चारों घायल व्यक्तियों को डायल-112 स्टाफ ने नजदीकी टोल टैक्स के एम्बुलेंस वाहन से ले जाकर जावरा अस्पताल में भर्ती करवाया। जहाँ घायलों का उपचार किया जा रहा है घायल अर्जुन और शुभम जो निवासी हाथोंद जिला इंदौर के बताए जा रहे हैं !

धनपुरी के 40 क्वार्टर नर्सरी में रोहणी बाबा और बसंतु खिलवा रहे हैं जुआ

धनपुरी

सट्टा और जुआ अब धनपुरी के युवाओ की जैसे तकदीर ही बन गाया हैं बूढ़े बच्चे नौजवान सब जुवा के खेल में अपनी अपनी गाढ़ी मेहनत की कमाई को लुटा कर कर्जदार बन रहे फिर कर्ज को पटाने के लिए अवैध कामो को करने में जरा भी नहीं हिचकिचाते और नतीजा जिसका बुरा ही होता हैं,सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रोहणी बाबा और बसंतु 40क्वार्टर के समीप स्थित नर्सरी में बड़ी संख्या में जुवाड़ियों को एकत्रित कर तास के पत्तों में हार जीत का खेल खिलवा कर लोगो से मोटी नाल वसूल कर रहे है और स्थानीय लोगो को इस खेल का शिकार बना रहे, जिनको पुलिस का संरक्षण मिला हुआ है। अब सरेआम यह चर्चा जोरो पर हैं की धनपुरी, आलमगंज, रेलवे कालोनी, बुद्धर से जुआड़ियों की बड़ी संख्या धनपुरी के 40 क्वाटर स्थित नर्सरी पहुँच कर जुआ के अड्डों पर धमाल चौकड़ी मचाए हुए हैं। जानकार सूत्रों ने बताया कि रोहणी बाबा और बसंतु रोज जंगलो में फड सजा रहा हाई टेक जुए में कम दाम पर फाइनेस की सुविधा उपलब्ध रोहणी और बसंतु करवा रहे हैं इनके इस गिरोह में नगर के ही कुछ सफेद कालर वाले लोग भी शामिल हैं ।सूत्रों की माने तों धनपुरी नगर के नेता इन अवैध कारोबारियों के सहयोगी बने हुए हैं। वैसे भी धनपुरी क्षेत्र अवैध कारोबारी का गढ़ बनता जा रहा है। इस क्षेत्र में ऐसा कोई अवैध कारोबार ना हो जो की चोरी छुपे संचालित नहीं किया जा रहा है। धनपुरी के आसपास के ग्रामीण अंचलों में जिस प्रकार से 52 परी का खेल संचालित हो रहा है

जानकार सूत्रों ने बताया की दोपहर 12से 1के बीच जुआ फड बैठाया जाता है आसपास के क्षेत्र के नामी गिरामी जुए के खिलाड़ी शराब के नशे में मदमस्त होकर जुआ खेलने पहुंच रहे हैं स्थानीय लोगों ने बताया कि जो खिलाड़ी हार जाता है वह गाली गलौज करते हुए शराब के नशे में धुत्त हो कर अपनी भडास पूरे मोहल्ले पर निकलता हुआ गुजरता है स्थानी पुलिस को ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी नहीं है लेकिन जुवाड़ियों द्वारा विलियस नंबर 2 की नर्सरी में स्थान बदल बदल कर जुआ खिलवाया जा रहा है, और पुलिस को बराबर चक्मा दे रहे है, सूत्रों ने बताया की विलियस नर्सरी धनपुरी में रोहणी बाबा और बसंतु के लड़के तैनात होते है जो पुलिस के आने की सूचना मोबाइल से पहले ही दे देते है जिससे जुवाड़ियों के सरगना फटाफट खिलाड़ियों को चौकाना कर देते है जिससे पुलिस बैरंग ही वापस लौट जाती है, इस तरह के नेटवर्किंग वाले रोहणी बाबा, और बसंतु पर धनपुरी पुलिस कब नकेल कसती है और क्या कार्यवाही करती है यह तो आने वाला समय तय करेगा तब तक रोहणी बाबा और बसंतु जुआ फड से कितनी नाल वसूल पाते है ?

उपाध्यक्ष के लिए जोड़-तोड़ शुरू कई दावेदार

पेंड्रा।

नगर पालिका परिषद के चुनाव में नगर पालिका पेंड्रा में मिली करारी हार के बाद जहां हर एक तरफ भाजपा संगठन हर की समीक्षा में लगा हुआ है वही दूसरी तरफ अब उपाध्यक्ष पद को लेकर जोड़-तोड़ शुरू हो गई है हर के सदमे से जहां भाजपा मंथन में जुटी है वहां अब उपाध्यक्ष बनने के लिए भाजपा पूरी ताकत से जुट गई है उल्लेखनीय है कि कांग्रेस व भाजपा में कई चेहरे पार्षद पद के लिए चुनाव जीतकर आए हैं और कई नेताओं को हार का सामना भी करना पड़ा ऐसे में अब उपाध्यक्ष के लिए शुरू हुई राजनीति में कांग्रेस से राजेश गुप्ता बजरंग लाल अग्रवाल के नाम चर्चाओं में हैं वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी से शरद गुप्ता कुलदीप शुक्ला एवं श्रीमती अरुण जायसवाल दावेदारों की लिस्ट में है। संपन्न हुए चुनाव और मतगणना के पश्चात पूरे प्रदेश में भाजपा की लहर एवं सुनामी के बाद भी मुकाबले में भाजपा नहीं आ पाई और अध्यक्ष पद के लिए भाजपा को तीसरा स्थान मिल पाया पूरे प्रदेश में जीत का जश्न मना रही भाजपा मरवाही एवं पेंड्रा में हार पर मंथन करने में जुटी हुई है। सरकार के कविना मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ विधायक प्रवीण मरपछि के अलावा और भाजपा के वरिष्ठ नेता ने निकाय चुनाव में घर-घर दस्तक दी और चुनाव को प्रतिष्ठा पूर्ण बनाया किंतु इस बार के चुनाव में जनता का मन शायद कुछ और ही था और भाजपा को जीपीएम जिले की पेंड्रा एवं मरवाही से हार का सामना करना पड़ा। 15 वार्ड वाले पेंड्रा नगर में भाजपा को 7 वार्ड एवं कांग्रेस को 6 वार्ड में बढ़त मिली और दो वार्ड में निर्दलीयों का कब्जा रहा। उपाध्यक्ष के चुनाव को लेकर अब युद्ध स्तर पर पार्षदों से संपर्क साधने की तैयारी शुरू हो गई है निकाय के दो निर्दलीय पार्षद हैं जिन पर दोनों दलों की नज़रें टिकी हुई है।

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे में चोरी के अज्ञात आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक टीकमगढ मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा सम्पति संबंधी अपराधों में तत्काल कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया है । इसी तारतम्य में थाना कोतवाली अंतर्गत चौकी खिरिया क्षेत्र में दिनांक 16-02-25 को अज्ञात आरोपी द्वारा दिन मे घर मे घुसकर सोने चांदी के आभूषण चोरी करने की घटना घटित हुई थी जिस पर थाना कोतवाली टीकमगढ के अप क्र 116/25 धारा 331(3) 305 (ए) बीएनएस मे कायम कर विवेचना में लिया गया था ।

थाना कोतवाली द्वारा सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए चलाया जा रहा अभियान

सड़क दुर्घटना से बचाव हेतु मंडला पुलिस ने की वाहन चेकिंग, बिना हेलमेट/ बिना सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाना/शराब पीकर वाहन चलने वाले चालकों के विरुद्ध की जा रही चालानी कार्यवाही। थाना कोतवाली पुलिस ने काटे चालान। ड्राइविंग के दौरान हेलमेट एवं सीटबेल्ट की उपयोगिता के बारे में समझाया।

समय-सीमा बैठक, शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें- कलेक्टर

सीधी

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रमुख अपने विभाग से संबंधित शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे। स्वयं भी शिकायतकर्ताओं से संपर्क करेंगे तथा अधिक से अधिक शिकायतों का संतुष्टि के साथ निराकरण सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आगामी एक सप्ताह में अभियान चलाकर अधिक से अधिक शिकायतों को संतुष्टि के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर द्वारा समस्त उपखण्ड अधिकारियों तथा पंचायत विभाग के अधिकारियों को 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को अभियान चलाकर संतुष्टि के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने निर्देशित किया है कि इस कार्य में उदासीनता या लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

बोर्ड परीक्षाओं में रखें कड़ी निगरानी

कलेक्टर ने कहा कि आगामी समय में जिले में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं सम्पन्न होनी है। सभी बोर्ड परीक्षाओं की सूचिता बनी रहे तथा शांतिपूर्ण ढंग से निर्विघ्न परीक्षाएं सम्पन्न हों। जिले में पेपर लीक या सामूहिक नकल जैसी घटनाएं नहीं हो। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को बोर्ड परीक्षाओं के दौरान कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर प्रशांत त्रिपाठी, उपखण्ड अधिकारी सिंहावल एसपी मिश्रा, कुसमी प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, डीएसपी गायत्री तिवारी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पुष्पांजलि चैरिटेबल ने गरीबों को बांटे फल

सीधी।

गुरु प्रसाद शुक्ल, वालिन्टयर पवन तिवारी, भगवान शुक्ल, मनोज शुक्ल, चिकित्सक, स्टाफ नर्स सहित सैकडो की तादात में सेवा का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में संस्था द्वारा किये जा रहे सेवा कार्य की सराहना की तथा लोगों को आगे आने की अपील की । सेमरिया बीएमओ डॉ वर्मा ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने व किसी भी बीमारी के प्रति लापरवाही न करने की सलाह देते हुए पुष्पांजलि चैरिटेबल के वर्कर्स व संस्था के पदाधिकारियो को धन्यवाद ज्ञापित किया। विशिष्ट अतिथि रामनरेश शुक्ल ने सेमरिया अस्पताल के चिकित्सक व स्टाफ के लोगों को भी उनके सेवा कार्य तथा चैरिटेबल के पदाधिकारियो व सेवा कार्य, समर्पण के प्रति लगाव को आत्मसात करने की सलाह दी।

पुष्पांजलि चैरिटेबल ने लगातार पाच माह से प्रत्येक सोमवार को गरीबो, वेसहारा व मरीजो को लगातार सेव बिस्किट, केले, संन्तरे बाट रहा है उसी कडी मे आज भी केले संन्तरे भगवा दल प्रमुख कमलेश्वर सिह के मुख्य आतिथ्य व बीएमओ डॉ आर के वर्मा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया की अध्यक्षता में बाटे गये। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रामनरेश शुक्ल, विभाग संयोजक सीधी सिगरौली, राकेश तिवारी एड, अजीत कुमार शुक्ल एड (रहीश) सहित संस्था के उपाध्यक्ष

खास बोर्ड परीक्षा इसी महीने से शुरू, पढ़ाई हो रही प्रभावित

आधी रात तक चल रही डीजे की धमक प्रतिबंध बेअसर

सीधी।

मैरिज गॉर्डन संचालित हैं। इन विवाह घरों में देर रात तक डीजे चलते हैं। जिसकी वजह से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही आम लोग भी कोलाहल से परेशान हो रहे हैं। लेकिन इस मसले पर जिला प्रशासन, नगर निगम अमला व पुलिस ने चुप्पी साध रखी है। जबकि इसी माह से बोर्ड की परीक्षाएं प्रारंभ होने जा रही हैं। 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के सिर पर मंडराने के बीच यह शादियों का भी सीजन है। शायद हो ऐसा कोई क्षेत्र हो यहां बारात घर के अलावा सड़क वा खाली प्लाट पर विवाह समारोह देखने को न मिले। जहां विद्यार्थी अपने भविष्य की चिंता में पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान दे रहे है, वहीं कॉलोनियों और वैध-अवेध बारात घरों में देर रात तक कोने, आर्केष्ट्रा पार्टियों ने सूर्य को पूरी तरह चौपट कर दिया है। कोलाहल एक्ट के तहत भले ही न्यायालय में जीने को प्रतिबंधित करते हुए रात 10 बजे तक ही दूसरे ध्वनि विस्तारक यंत्रों को सीमा के तहत चलाने की छूट दे दें ही। विडम्बना है कि शहर कुचे में इसके धनियां उड़ते देखी जा सकती है। लगभग हर रहवाशी क्षेत्रों में बारात घर तने हुए हैं। यहां विवाह समारोह में आयोजक की पसंद पर देर रात तक शोर-गुल करने की सुविधा भी बारात संचालक देते हैं। इस दौरान सीधी शहर के जमोड़ी से लेकर जोगीपुर तक आधा सैकड़ा विवाह घर एवं वैवाहिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। जहां कि शोरगुल के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

प्रशासन बना मूकदर्शक

कोलाहल एक्ट के तहत न्यायालय के आदेश पर अमल करने में प्रशासन बौना साबित हो रहा है। टेंट और साउण्ड सिस्टम संचालकों की बैठक लेकर उनको नियमों का पालन करने की हिदायत तो प्रशासन देता है, लेकिन उस पर कितना अमल हो रहा है इसके लिए वह जरा भी सक्रिय नहीं है। लोगों का मानना है कि यदि एक बार प्रशासन सख्त कार्रवाई करे तो इस अव्यवस्था को काफी हद तक रोका जा सकता है।

इनको होती है सबसे ज्यादा परेशानी

बड़े-बड़े डीजे बॉक्स लगाकर रात भर शोर-गुल होने के कारण इन विवाह समारोहों के पास रहने वाले लोगों का जीना दूभर हो गया है। एक ओर जहां विद्यार्थियों की पढ़ाई पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है वहीं जिस घर में मरीज है उसकी भी परेशानियां कम नहीं है। कई बार लोग जागरुकता दिखाते हुए पुलिस को फोन करते हैंए लेकिन लोगों की इस परेशानी से पुलिस को कोई खास सरोकार नहीं है।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में केंद्रीय बजट एक महत्वपूर्ण कदम - जायसवाल

बजट से सशक्त होंगे गरीब अन्नदाता युवा व नारी शक्ति - अमिता
केंद्रीय बजट 2025-26 को लेकर जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता संपन्न

शहडोल।

केंद्रीय बजट 2025-26 1 फरवरी 2025 को संसद में पेश कर दिया गया है। यह लगातार 8वीं बार है जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया। बजट 2025-26 में कर नीतियों, खर्च की प्राथमिकताओं और सब्सिडी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जोर दिया गया है। 12 लाख रुपए तक की आय कर-मुक्त होगी। सेक्शन 87ा के तहत छूट पहले ?25,000 थी, अब इसे बढ़ाकर ?60,000 कर दिया गया है। यह बजट विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, और शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह बात मध्य प्रदेश शासन के लघु एवं कुटीर उद्योग राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल जी ने सोमवार को शहडोल जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान पत्रकार वार्ता में भाजपा जिलाअध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा , जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, जिला कोषाध्यक्ष एवं

बजट 2025-26 के जिला टोली के संयोजक मनोज गुप्ता, सहसंयोजक जयप्रकाश गुप्ता ,जिला महामंत्री संतोष लोहानी, मीडिया प्रभारी विनय केवट मंच पर मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा 74त्न से बढ़ाकर 100त्न की जाएगी। मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में अगले 5 वर्षों में 75000 और सीटें बढ़ाने के लक्ष्य की दिशा में अगले वर्ष 10000 अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएंगी। सरकार अगले 3 वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित करने की सुविधा प्रदान करेगी। वर्ष 2025-26 में 200 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। एक लाख करोड़ रुपए के शहरी चुनौती कोष की घोषणा की है जिसे 2025-26 के लिए 10 हजार करोड़ रुपए के आवंटन के प्रस्ताव के साथ वृद्धि केंद्रों के रूप में शहर शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास और जल एवं स्वच्छता के लिए प्रस्ताव लागू करने के लिए उपयोग किया जाएगा।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि यह बजट सर्वहिताय बजट है जिसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि जिलों के विकास के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना चलाई जाएगी। यह कार्यक्रम राज्यों के साथ साझेदारी में शुरू किया जाएगा, जिसमें कम उत्पादकता, मध्यम फसल सघनता और औसत से कम ऋण मापदंडों वाले 100 जिलों को शामिल किया जाएगा, जिससे 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने कहा कि मध्यम परिवार को राहत देने वाला केंद्र सरकार का ऐतिहासिक बजट ,बजट में अगले 10 वर्ष में 120 नए गंतव्यों और 4 करोड़ यात्रियों को लाने-ले-जाने के लिए क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने की संशोधित उड़ान स्कीम की घोषणा की है। 500 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय से शिक्षा हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता संबंधी एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। मेक फॉर इंडिया मेक फॉर द वर्ल्ड÷ विनिर्माण के लिए हमारे युवाओं को आवश्यक कौशलों से सुसज्जित करने के लिए वैश्विक विशेषज्ञता और भागीदारी के साथ 5 राष्टीय कौशल उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

भारत नेट परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सरकारी माध्यमिक स्कूलों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत सूक्ष्म उद्यमों के लिए पहले वर्ष में 5 लाख रुपये तक की सीमा वाले 10 लाख कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे।

भाजपा जिला कोषाध्यक्ष व बजट 2025-26 जिला टोली के संयोजक मनोज गुप्ता ने कहा कि स्टार्ट-अप के लिए 10,000 करोड़ रुपए के नए अंशदान के साथ निधियों के नए कोष की स्थापना की जाएगी। 5 लाख महिलाओं अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के पहली बार के उद्यमियों के लिए अगले 5 वर्षों के दौरान 2 करोड़ रुपए तक का सावधि ऋण उपलब?ध कराने की एक नई योजना की घोषणा बजट में की गई है। उक्त पत्रकार वार्ता का मंच संचालन भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट द्वारा किया गया तो वहीं उपस्थित पत्रकारों का आभार भाजपा जिला कोषाध्यक्ष एवं बजट 2025-26 जिला टोली के संयोजक मनोज गुप्ता द्वारा किया गया।

फूल क्लब में एक युवक पर चले चाकू तीन बदमाश एक साथ आए चाकू से किया हमला युवक हुआ घायल

टीकमगढ़

जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले इलाके के गुलाब गार्डन के बगल में स्थित बीबीएच पूल क्लब पर से घटना समने आई है। जहां पर तीन बदमाश आते हैं और बिना किसी रंजिश या विवाद के युवक पर लगातार तीन बार चाकू से हमला करते हैं तीसरा चाकू युवक के हाथ में लग जाता है घायल युवक को 8 से 9 टाके आते हैं युवा घायल हो जाता है जैसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार की रात की यह घटना बताई जा रही हैं। जिला अस्पताल में घायल ने बताया कि उसका नाम नौशाद है वह बीबीएच पूल क्लब पर था आकाश किसन और एक अन्य युवक आए कृष्ण ने चाकू से हमला किया।

प्रमुख संक्षिप्त

यातायात हाईवे चैकी फुनगा का पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा किया गया उद्घाटन

अनूपपुर। जिले के पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा पूर्व में स्थापित हाईवे चैकी फुनगा का उद्घाटन किया गया। चैकी में 02 सहायक उप निरीक्षक, 03 प्रधान आरक्षक, 05 आरक्षक सहित कुल 11 पुलिस अधिकारी कर्मचारी तैनात किए गए, जिनका कार्य हाईवे रोड पर रात्रि के समय सतत पेट्रोलिंग, शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही एवं कोतमा शहर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में प्रयास करने के साथ सड़क दुर्घटना में मृत्यु को रोकने के हेतु घायलों को तत्काल मदद पहुंचने के उद्देश्य से हाईवे चैकी का संचालन प्रारंभ किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर इसरार मंसूरी, एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा, एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य, यातायात प्रभारी ज्योति दुबे, हाइवे चैकी प्रभारी विनोद दुबे, फुनगा चैकी प्रभारी सोने सिंह परस्ते, पत्रकार बंधु एवं थाना यातायात तथा चैकी में तैनात पुलिस अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध रेत उत्खनन माफिया के विरूद्ध बिजुरी पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही

अनूपपुर। जिले के पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मो. इसरार मन्सूरी एवं एस. डी.ओ.पी. कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में थाना बिजुरी अनूपपुर द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। 16 फरवरी को थाना प्रभारी निरी विकास सिंह के नेतृत्व में सहायक उपनिरी प्रदीप अग्निहोत्री, आर. 502 विश्वजीत मिश्रा, आर. 304 रवि सिंह के द्वारा ग्राम छतई में महिन्द्रा कंपनी के लाल रंग के ट्रेक्टर क्र. सीजी 16 सीपी 2688 के चालक राजकुमार साहु पिता विष्णु प्रसाद साहु उम्र 31 वर्ष निवासी सेमरिया थाना केल्हारी छ.ग. के द्वारा ग्राम पिपरिया केवई नदी घाट से अवैध रेत उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा था जो मौके चालक राजकुमार साहु को ट्रेक्टर मय लोड रेत ट्राली जप्त कर थाना बिजुरी जिला अनूपपुर में ट्रेक्टर चालक राजकुमार साहु एवं वाहन स्वामी विष्णु प्रसाद साहु के विरुद्ध अपराध धारा 303(2), 317 (5), 3(5) बी.एन.एस. 4/21 खान खनिज अधिनियम का प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर कार्यवाही की जा रही है ।

प्राचार्य डॉ. सुरेश कटारिया के स्थानान्तरण पर विदाई समारोह आयोजित

रतलाम

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेश कटारिया के स्थानांतरण तथा महाविद्यालय के नए प्राचार्य डॉ. मंगलेश्वरी जोशी के स्वागत के लिए विदाई समारोह आयोजित किया, जिसमें सभी ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

प्राचार्य डॉ. कटारिया का स्वागत डॉ. सुरेश चौहान, डॉ. सुनीता श्रीमाल, डॉ. माणिक डांगे, डॉ. बामनिया, प्रो. विनोद जैन द्वारा किया गया। महाविद्यालय परिवार द्वारा डॉ. कटारिया के लिए अपनी भावनाओं और संदेशों को व्यक्त किया गया एवं पूर्व तथा वर्तमान छात्राओं द्वारा अपना अनुभव शोर्ट फिल्म के माध्यम से बताया गया। आपकी स्पष्टवादिता, कार्यनिष्ठा, समय प्रबंधन, अनुशासन एवं नियमो के ज्ञान से आपकी ख्याति दूर दूर तक प्रसिद्द है। आपको न केवल राज्य स्तर अपितु राष्टीय स्तर पर भी निर्वाचन आयोग द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

डॉ. सुरेश कटारिया ने कहा कि उनकी 21 वर्षीय यात्रा में जो भी लोग उनसे जुड़े है उन्होंने किसी न किसी रूप में उन्हें प्रोत्साहित किया एवं उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय की यह खुबी है कि किसी भी परिस्थिति में सभी एकजुट होकर कार्य करते है और सकारात्मक रहते है । भविष्य में भी सदैव आप सभी के लिए उपस्थित रहेंगे। डॉ. जोशी ने कहा कि डॉ. सुरेश कटारिया स्थानांतरित हुए है पर आपकी कमी महाविद्यालय को खलेगी। नव प्राचार्य डॉ. जोशी ने कहा कि डॉ. कटारिया अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता से महाविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक ले गए व जिले में एकमात्र ए ग्रेड प्राप्त करने वाला महाविद्यालय बनाया। आपने ने कहा कि वे महाविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ मिलकर एक सकारात्मक और प्रोत्साहक शैक्षिक माहौल बनाएंगे, ताकि सभी का व्यक्तिगत और शैक्षिक विकास हो सके। इस बदलाव को लेकर सभी में उत्साह है।

रात्रि में दुकानों का ताला तोड़कर चोरी करने वाला शातिर अपराधी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अनूपपुर।

जिले के पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने रात्रि में दुकानों का ताला तोड़कर चोरी करने वाले बुढार जिला शहडोल निवासी शातिर अपराधी गोपाल बैगा को गिरफ्तार कर चोरी गया सामान एवं ताला तोड़ने में प्रयुक्त औजार जप्त किए हैं। वार्ड नंबर 09 बिहारी कॉलोनी, अनूपपुर निवासी रीतेश दुबे द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 12 एवं 13 फरवरी 2025 की दरम्यानी रात सिद्ध बाबा मंदिर, अनूपपुर के सामने स्थित किरण किराना जनरल स्टोर्स की दुकान का ताला तोड़कर किराने का सामान एवं नगदी चोरी कर ली गई। इस पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 67/2025, धारा 331(4), 305(ए) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। टी.आई. कोतवाली

निरीक्षक अरविंद जैन के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक शेख रसीद, महेंद्र सिंह राठौर, आरक्षक अब्दुल कलीम एवं महिला आरक्षक आकांक्षा मिश्रा की टीम ने घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। मौके पर फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ एवं डॉग स्कॉट की मदद ली गई। अज्ञात आरोपी की पहचान हेतु पुलिस टीम ने रेल्वे स्टेशन, बस स्टैंड एवं मुख्य बाजार सहित लगभग 50 सी.सी.टी.वी. कैमरों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम को आरोपी गोपाल बैगा पिता गणेश बैगा (उम्र 58 वर्ष, निवासी अतरियाटोला, बुढार, जिला शहडोल) के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग सीसीटीवी कैमरोंसे मिले मिले। पुलिस ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी गोपाल बैगा से चोरी किया गया सामान किरण किराना दुकान से से चोरी गया सामान साबुन, बिस्किट, नमकीन, तेल, सर्फ एक्सेल के पैकेट, राजश्री गुटखा, बीड़ी एवं सिगरेट के पैकेट (कुल मूल्य 5500) नगद 5000 ताला तोड़ने में प्रयुक्त लोहे की गैंती गिरफ्तार आरोपी गोपाल बैगा थाना बुढार, जयसिंहनगर, शहडोल, सोहागपुर (जिला शहडोल), कटनी एवं डिंडौरी में चोरी एवं नकबजनी के कई मामलों में संलिप्त पाया गया है। आरोपी ट्रेन से यात्रा कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था और अपने साथ लोहे की रॉड या गैंती रखकर रेलवे स्टेशन के समीप दुकानों के ताले तोड़कर चोरी करता था।

सर्किट हाउस के पास जैविक/प्राकृतिक उत्पादों का हाट बाजार आयोजित

कलेक्टर श्री विवेक श्रोत्रिय के निर्देशानुसार उद्यानिकी विभाग के सहयोग से जैविक/प्राकृतिक उत्पादों के प्रोत्साहन हेतु जिले में निरंतर हाट बाजारों का आयोजन किया जा रहा है ताकि लोगों को स्वस्थ्य और समृद्ध जीवन हेतु जैविक उत्पाद मिल सकें। इसीक्रम में आज सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग श्री अजय रोहित के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय स्थित स्थानीय सर्किट हाउस के पास जैविक उगाए जैविक खाए स्वस्थ और समृद्ध जीवन पाए की थीम के आधार पर हाट बाजार का आयोजन किया गया। हाट बाजार में जिले के कृषकों द्वारा उत्पादित जैविक सब्जियां, फल, खजूर का गुड़, गाय का शुद्ध घी, शहद, सहित अन्य विभिन्न उत्पादों को विक्रय हेतु लाया गया।

राशन दुकान तक गुणवत्तायुक्त राशन पहुंचे सभी की सामूहिक जिम्मेदारी- कलेक्टर

कलेक्टर ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति, मिलर्स तथा गोदाम संचालकों की ली बैठक

अनूपपुर

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति विभाग, मिलर्स एवं गोदाम संचालकों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि राशन दुकान तक गुणवत्तायुक्त राशन का स्टॉक पहुंचे यह सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही एवं उदासीनता बरतने वालों पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के गोदाम में रखे राशन के गुणवत्ता का समय-समय पर निरीक्षण करने के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए तथा गुणवत्ता का प्रतिवेदन भी प्राप्त किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निरीक्षण के उपरांत गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही बरती जाती है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती सीमा सिन्हा सहित नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी एवं मिलर्स तथा गोदाम संचालक उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राशन वितरण प्रणाली को और अधिक सरल एवं सुगम बनाया जाए। उन्होंने सभी मिलर्स एवं गोदाम संचालकों को राशन स्टॉक की व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने गोदाम में रखे पुराने स्टॉक के संबंध में भी गोदाम संचालकों से जानकारी प्राप्त की।

बैठक में कलेक्टर ने गोदाम संचालकों को निर्देशित किया कि अगर मिलर्स के यहां से गुणवत्ताविहीन राशन गोदाम पर भेजा जाता है तो त्वरित प्रशासन को इस बात की सूचना दी जाए जिससे मिलर्स को गुणवत्ताविहीन राशन वापस भेज कर उसे गुणवत्तायुक्त बनाने की कार्यवाही की जा सके। इस दौरान गोदाम संचालकों द्वारा पुराने बारदाने को जमा कर नए बारदाने अलॉट करने के संबंध में भी कलेक्टर को जानकारी दी गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राशन के गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी अधिकारी सामूहिक रूप से बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तायुक्त राशन शासकीय उचित मूल्य दुकान तक भिजवाना सुनिश्चित करें।

टीकमगढ़ पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा,महिला सुरक्षा,सड़क सुरक्षा एवं नशामुक्ति हेतु जारी जनजागरूकता अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना के निर्देशानुसार टीकमगढ़ पुलिस द्वारा जिले के समस्त थाना चौकी क्षेत्र में साइबर सुरक्षा, नशामुक्ति, महिला सुरक्षा, सड़क सुरक्षा हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ श्री मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा टीकमगढ़ जिले वासियों को नशा मुक्ति,साइबर अपराधों से सुरक्षा एवं बचाव ,महिला सुरक्षा,सड़क सुरक्षा हेतु अभियान में जन जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित करने के लिए समस्त थाना /चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है।

इसी तारतम्य में शनिवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सीताराम, एस.डी.ओ.पी टीकमगढ़ श्री राहुल कटरे, एस.डी.ओ.पी जतारा श्री अभिषेक गौतम के मार्गदर्शन में सभी थाना/चौकी द्वारा नशा मुक्ति,साइबर सुरक्षा ,सड़क सुरक्षा सहित जिम्मेदार मर्दानगी अभियान में जागरूकता हेतु कार्यक्रम

आयोजित किए। कार्यक्रमों में सार्वजनिक स्थानों पर आमजन को नशे कें दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए 'नशा मुक्ति की शपथ' दिलवाई गई साथ ही साइबर अपराध क्या है व उनसे बचने के उपाय बताए गए।

साइबर अपराधों से बचने हेतु आमजन को बताया गया की सबसे पहले लोगों को ये जानकारी होनी चाहिए की साइबर अपराध क्या है जैसे वर्तमान में डिजिटल अरेस्ट,वॉइस चेंजर, लोन ,गेमिंग ऑनलाइन एप्लीकेशन, शेयर ट्रेडिंग, इनाम, महंगी चीजें सस्ते में देने का लालच, फेक फेसबुक, इंस्टा प्क् से रुपयों की मांग फर्जी अश्लील विडीओ काल आदि माध्यम से लोगों को कैसे डराकर फसाया जा रहा है की जानकारी दी गई। इनसे बचने हेतु बताया गया कि 'डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई प्रावधान नहीं होता ये सब साइबर क्रिमिनल के हथकंडे है' जिनमें न फँसे एवं किसी भी प्रकार से कोई ओटीपी शेयर न करे । अनजान काल, लिंक को रीसीव एवं क्लिक न करे किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग पर तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन साइबर सेल एवं साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर इनफार्म करने तथा अपनी कोई भी पर्सनल एवं खाते सम्बन्धी जानकारी ऑनलाइन न देने हेतु बताया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा हेतु उपास्थि लोगों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई ,वाहन चलाते समय हेलमेट,सीटबेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने की समझाइश दी गई साथ ही गुड सेमेरिटन योजना एवं गोल्डन ऑवर्स के संबंध में अवगत करवाया गया।

आगामी दो-तीन माह में मिशन मोड पर कराया जाएगा राजस्व प्रकरणों का निराकरण-कलेक्टर

अनूपपुर

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि अनूपपुर जिले में आगामी दो-तीन माह में मिशन मोड पर राजस्व प्रकरणों का निराकरण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष अभियान के अंतर्गत किसानों के राजस्व प्रकरण फौती नामांतरण, नामांकन, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा तरमीम एवं नक्शा दुरूस्ती सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का निराकरण मिशन मोड में किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों को लाभ देना है तथा राजस्व प्रकरणों का निराकरण गंभीरता के आधार पर करना है। पत्रकार वार्ता में सहायक जनसंपर्क अधिकारी सुश्री कुसुम मरकाम, जिला पंचायत के मीडिया अधिकारी श्री अमित श्रीवास्तव सहित जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार एवं जनसंपर्क विभाग के स्टॉफ उपस्थित थे।

पत्रकार वार्ता में कलेक्टर ने स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं पर बेहतर कार्य योजना बनाकर कार्य करने की जानकारी पत्रकारों को दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के घोषणा के अनुरूप जिला खनिज प्रतिष्ठान मद पार्ट-बी के तहत पूर्ण किया जाएगा। इस दौरान कलेक्टर ने नर्मदा महोत्सव के दौरान पत्रकारों की सराहनीय भूमिका हेतु पत्रकारों का हृदय से आभार मानते हुए कहा कि नर्मदा जयंती में पत्रकारों का सहयोग प्रशंसा योग्य है। उन्होंने कहा कि मीडिया एवं पत्रकारों की भूमिका नर्मदा जयंती के अवसर पर सकारात्मक रही तथा इसका प्रचार एवं प्रसार राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर किया गया जिसकी चर्चाएं पूरे मध्य प्रदेश पर रही। इस दौरान कलेक्टर ने नर्मदा महोत्सव में सराहनीय भूमिका हेतु पत्रकारों को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

खास — जिला अस्पताल की लापरवाही फिर आई सामने

प्रयागराज जाते वक्त कैमोर पहाड़ में पलटी बोलेरो चार लोगों की हुई मौत

सीधी।

जिले में सडक़ हादसे थामने का नाम नहीं ले रहे है बीती रात सिंगरौली जिले से प्रयागराज कुंभ स्नान करने जाते वक्त सीधी के कैमोर पहाड़ में मोड में अनियंत्रित होकर बुलेरो खाई में पलट गई जहां मौके पर ही 2 लोगों की मौत हो गई, घटना की जानकारी लगते ही मौके पर अमिलिया पुलिस पहुंची जहां गंभीर रूप से घायल को जिला अस्पताल रेफर किया गया जहा वह अस्पताल प्रबंधन की नाकामी के कारण जिला अस्पताल में जिंदगी की जंग हार गया तो वहीं एक घायल को सिंगरौली ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई है। जबकि चार घायलों का उपचार सिंगरौली जिले के अस्पताल में किया जा रहा है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बुलेरो सवार वैढऩ से प्रयाग राज जा रहे थे देर रात लगभग 2 बजे बुलेरो जैसे सीधी जिले के अमिलिया थानांतर्गत मूड़ा पहाड़ पर पहुंची है वैसे ही अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई है, जहां मौके पर दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो घायलों की मौत

एक की जिला अस्पताल सीधी में तो दूसरे की मौत सिंगरौली ले जाते समय रास्ते में हो गई है। बुलेरो में सवार संदीप उर्फ सोनू साहू,प्रमोद यादव, रमाकांत साहू एवं सुजीत यादव की मौत हो गई है। वहीं नीरज वैश्य,कृष्णा वैश्य,प्रदीप साहू एवं संदीप साहू गंभीर रूप से घायल हो गए है जिनका उपचार सिगरौली जिले के अस्पताल में किया जा रहा है।

8 लोग बुलेरो में थे सवार/ सिंगरौली जिले से प्रयागराज जा रही बुलेरो में 8 लोग सवार थे। जिसमें चार की मौत हो गई है और चार गंभीर रूप से घायल है। वहीं सूत्रों की माने तो बुलेरो सवार जमकर शराब के नशे में बताये गए थे एवं घटना के दौरान बुलेरो में शराब की बोतल व डिस्पोजल के ग्लास मौजूद थे। जिससे स्पष्ट हो रहा है कि बुलेरो में सवार लगातार नशा करते हुए यात्रा कर रहे थे और तभी देर रात सडक़ हादसा हो गया है। जिला अस्पताल की फिर उजागर हुई लापरवाही चिकित्सकीय व्यवस्था लगातार उजागर हो रही है बावजूद इसके दुरूस्त करने का प्रयास जिम्मेदारों द्वारा नही किया जा रहा है। मूड़ा पहाड़ में बुलेरो अनियंत्रित होकर पलट गई थी जिसमें सवार रमाकांत साहू को गंभीर अवस्था में उपचार करने के लिए जिला चिकित्सालय में रात को लाया गया था लेकिन सूत्रों की माने तो वह डेढ़ घंटे जिला अस्पताल में तड़पता रहा और उपचार करने के लिए कोई चिकित्सक मौजूद नही था और अंत में उसने हार मान ली और अस्पताल में ही दम तोड़ दिया।

दोपहर 12 बजे हुआ पोस्ट मार्टम

जिला चिकित्सालय का हाल ये है कि यहां शाम को ही अलग-अलग मामलों में तीन मौते हो गई थी जिनका पोस्ट मार्टम किया जाना था लेकिन जिला चिकित्सालय में आलम यह था कि दोपहर 12 बजे इन सभी मृतकों का पीएम किया गया तब इनके शवों को परिजन अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना किये है। इस पूरे मामले में सिविल सर्जन गोलमोल जबाव देकर बचती नजर आई है उनका कहना था पुलिस के पेपर तैयार करने में समय लगा था।

इनका कहना-

देर रात अमिलिया थानान्तर्गत पहाड़ में बुलेरो के अनियंत्रित होकर पलट जाने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई है जबकि चार लोग घायल है जिनका उपचार किया जा रहा है। घायलों के हालातों पर लगातार नजर बनी हुई है।

-डॉ रविन्द्र वर्मा पुलिस अधीक्षक सीधी

अमिलिया के पास बुलेरो के पलटने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई है जबकि चार घायलों को उपचार के लिए रेफर किया गया है। रात में इमरजेंसी में दो डाक्टरों की ड्युटी लगाई गई थी। वहीं देर से पीएम पर कहा गया कि चार-चार केश थे इसलिए पेपर वर्क में टाईम लग जाता है।

-डॉ दीपारानी इसरानी सिविल सर्जन जिला चित्सिालय सीधी

संपादकीय

केजरीवाल का चुनाव हारना एक बड़ी परिघटना

दिल्ली के चुनाव नतीजों की अलग अलग नजरिए से व्याख्या हो रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आम आदमी पार्टी और खुद अरविंद केजरीवाल का चुनाव हार जाना एक बड़ी परिघटना है। आंदोलन से निकली एक पार्टी ने एक दशक के समय में जो मुकाम हासिल किया था वहां से उसका नीचे गिरना कई बातों का संकेत है। आमतौर पर यह माना जा रहा है कि आंदोलन से निकली पार्टी अपने मूल्यों को भूल गई और किसी दूसरी पारंपरिक पार्टी की तरह राजनीति करने लगी इसलिए उसकी हार हुई है। यह भी कहा जा रहा है कि एक विचारधारा विहीन पार्टी का यह हस्र होना तय था। यह भी कहा जा रहा है कि आम आदमी पार्टी चुनावी सफलता के पीछे भागती रही और उसने संगठन व काडर बनाने पर ध्यान नहीं दिया इसलिए उसकी हार हुई है। ये सारी बातें सही हैं और आम आदमी पार्टी व अरविंद केजरीवाल की हार में इन सब कारणों का योगदान है। परंतु अब हार के कारणों से आगे देखने की जरुरत है। आगे क्या ? क्या धूमकेतु की तरह उभरे अरविंद केजरीवाल अब समाप्त हो जाएंगे और उनकी तरह दूसरी प्रादेशिक पार्टियों के अस्तित्व पर भी ग्रहण लगेगा और इससे भाजपा व कांग्रेस के रूप में दो ध्रुवीय राजनीति की बुनियाद बनेगी ? हो सकता है ऐसा हो लेकिन उसके साथ ही एक और बदलाव की संभावना दिख रही है और वह ये है कि दिल्ली के नतीजे से रेवड़ी की राजनीति के अंत की शुरुआत हो गई है। हालांकि पहली नजर में ऐसा दिख नहीं रहा है, बल्कि इसका उलटा दिख रहा है। रेवड़ी राजनीति के अंत की शुरुआत' के निष्कर्ष को यह कह कर खारिज किया जा सकता है कि असल में दिल्ली में भाजपा की जीत रेवड़ी राजनीति की ही जीत है। क्योंकि भाजपा ने न सिर्फ आम आदमी पार्टी की सरकार की रेवडियों को जारी रखने का वादा किया, बल्कि उसके ऊपर भी बहुत कुछ देने की घोषणा की है। इसके बावजूद दिल्ली के चुनाव नतीजे में रेवड़ी राजनीति के खत्म होने के बीज छिपे हैं। हो सकता है कि इस बीज के अंकुरित होने में थोड़ा समय लगे लेकिन देर सबेर ऐसा होगा जरूर।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका भाग्य पूरे दिन आपके साथ रहने वाला है। आज सभी कार्य समय से पूरे हो जाएंगे। आज आपके मन में किसी बात को लेकर उलझन बनी रहेगी।

वृष राशि : आज आपका रुझान अध्यात्म की तरफ रहेगा। साथ ही घर पर कोई धार्मिक कार्यक्रम करने का मन बनाएंगे। आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की आवश्यकता है।

मिथुन राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। राजनीति में आप सक्रिय भूमिका निभाएंगे, जिससे लोग आपकी तारीफ करेंगे। आज यात्रा कुछ ज्यादा होने की वजह से थकान महसूस करेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। सोशल मीडिया पर आज आपके नए-नए दोस्त बनेंगे। आज जीवनसाथी के साथ घरेलू चीजों को खरीदने का प्लान बनाएंगे।

सिंह राशि : आज आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़ी हुए ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा।

कन्या राशि : आज आप धार्मिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। आज किसी कार्य को पूरा करने के लिए परिवार वालों से राय ले सकते है।

तुला राशि : आज का दिन अच्छा रहने वाला है। दोस्तों से किसी रुके हुए कार्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। आज किसी नए व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ हो सकता है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन खुशियों भरा रहेगा। आज किसी बड़ी कंपनी से आपके साथ काम करने का प्रपोजल आयेगा। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा।

धनु राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज ज्यादा क्रोध करने से आपका काम बिगड़ सकता है। बेहतर होगा कि आज किसी भी बात पर गुस्सा करने से बचें। आज प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन शुभ है।

मकर राशि : आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज नौकरी में बदलाव करने का मन बनाएंगे। जॉब की तलाश कर रहे लोगों के लिए जॉब के अच्छे अवसर सामने आएंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तर पहुंचाने में मदद करेगा। आज लोगों की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

मीन राशि : आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज नए दोस्त बनाने से पहले उनके बारे में पूरी जानकारी कर लें, तभी दोस्ती का हाथ बढ़ाए। इस राशि के अविवाहित लोगों के विवाह की बात होगी।

अमेरिका में क्या किया?

गोदी मीडिया हो या मोदी मीडिया प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दस मोदी की अमेरिका यात्रा की कामयाबी के यशोगान में लगा है। लेकिन ये देश तभी इस कीर्ति गाथा का हिस्सा बन सकता है जब माननीय मोदी जी खुद प्रेस के सामने विस्तार से अपनी अमेरिका यात्रा का विवरण देश को दें। ये इसलिए जरूरी है क्योंकि अमेरिका ने अवैध प्रवास के आरोपी भारतीयों को भारत वापस भेजते समय अमानवीयता का रवैया छोड़ा नहीं है। मोदी जी क्या अमेरिका को मानवीयता का पाठ भी नहीं पढ़ा पाए ? मोदी जी की अमेरिका यात्रा से पूरे देश को तमाम उम्मीदें थीं लेकिन मोदी जी अमेरिका से केवल खरीद-फरोख्त के मसौदों पर दस्तखत कर वापस लौट रहे हैं। और उनके आगे-पीछे डंकी रुट से अमेरिका गए भारतियों के दल भी भारत भेजे जा रहे हैं।डंकी रूट से अमेरिका गए 116 भारतीयों को लेकर एक विशेष विमान शनिवार 15 फरवरी, 2025 की देर रात अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। इनमें सबसे ज्यादा पुरुष थे, जिन्हें यात्रा के दौरान हथकड़ियों और बेड़ियों में जकड़ा गया था. निर्वासितों में पंजाब के 67 लोग हैं, जबकि 33 लोग हरियाणा के रहने वाले हैं। हमवतनों को मनुष्यों की तरह विमान से उतरते न देख हर भारतीय का मन उदिग्न है सिवाय सत्तारूढ़ दल के और सत्ता के। बड़ा शोर किया जा रहा है कि मोदी-ट्रम्प भेंट के बाद चीन कोई पिंडलियाँ काँप रहीं हैं, बांग्लादेश की नींद हराम हो गयी है और रूस सकते में है । लेकिन हमें क्या किसी को ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा। हमें तो भारत-अमेरिका के बीच इस भेंट -वार्ता से अनिष्ट ही अनिष्ट दिखाई दे रहा है। अमेरिका ने हमरे ऊपर जो टैरिफ लगाया है वो वापस नहीं हुआ । अमेरिका को हम फूटी कौंड़ी का अपना माल नहीं बेच पाए और अमेरिका ने हमें खटारा लड़ाकू विमानों से लेकर तेल-वेल सब बेच दिखाया। चतुर कौन निकला अमेरिका या भारत ? कहाँ गया माल बेचने का गुजराती कौशल ? भारत के प्रधानमंत्री का कद शायद पंडित जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गाँधी से भी बड़ा है लेकिन हमें इससे हासिल क्या हो रहा है सिवाय जिल्लत के। अभी मोदी जी ने अमेरिका से रवानगी भी नहीं डाली थी की भारत को चुनाव में मिलने विदेशी फंडिग पर हथौड़ा चल गया । एलन मस्क की अगुवाई वाले अमेरिकी सरकारी कार्यदक्षता विभाग [डी ओ जी ई] ने कई खर्चों में कटौती की है। इसमें भारत के चुनावों में मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए दिए जाने वाले 2.1 करोड़ डॉलर भी शामिल हैं। बांग्लादेश और नेपाल से जुड़े प्रोजेक्टों की फंडिंग को भी रोकने का ऐलान हुआ है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले महीने मस्क को इस विभाग का प्रमुख बनाया था। विभाग ने एक्स पर पोस्ट करके इस कटौती की जानकारी दी। अमेरिका ने जो व्यवहार नेपाल और बांग्लादेश कि साथ किया ,वो ही भारत कि साथ किया है। मोदी जी की अमेरिका यात्रा का सुफल ये है कि भारतीय दस्तकारी उत्पादों पर अमेरिका ने 29 फीसदी टैरिफ ठोंक दिया है ,इससे भारतीय कारीगरों की तो जैसे कमर ही टूटने वाली है ,लेकिन मोदी जी अमेरिका का हाथ नहीं रोक पाये । ट्रंप ने भारत पर जवाबी टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगना शुरू कर दिया है। इससे ट्रेड वॉर की टेंशन बढ़ गई है। ट्रंप बार-बार कह रहे हैं कि भारत बहुत ज्यादा टैरिफ लगाता है। अमेरिका में स्टील और एल्युनीनियम के आयात पर टैरिफ बढ़ाकर ट्रंप पहले ही भारतीय स्टील निर्यातकों को झटका दे चुके हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप का रुख बहुत सख्त दिख रहा है। वह किसी को बख्शने के मूड में नहीं हैं। दोस्तों और प्रतिद्वंद्वियों दोनों के साथ टैरिफ के मामले में उनका सलूक एक जैसा है।आपको बता दें कि अमेरिका का जिस देश के साथ भी व्यापार घाटा है, उसे नुकसान उठाना करीब-करीब तय है।

सुबह उठते ही जब दिल्ली में डोलने लगी धरती!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

दिल्ली व उसके आसपास के क्षेत्र में 17 फ़रवरी की सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। कई सेकंड तक धरती डोलती रही। लोग दशहत में अपने घरों से बाहर निकल गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई, इसका केंद्र दिल्ली के पास ही धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। इसीलिए तेज झटके महसूस हुए। कुछ सेकंड तक चलने वाले भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतों के अंदर जोरदार कंपन महसूस हुआ। भूकंप सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर आया, जिससे लोगों की नींद उड़ गई।

लोगों में दहशत फैल गई और वे एहतियात के तौर पर अपने घरों से बाहर निकल गए। भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर के साथ पड़ोसी राज्यों में भी महसूस किए गए। फिलहाल कहीं से जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं आई है। दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आता है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है। समय-समय पर दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस तीव्रता के झटके बहुत समय बाद महसूस किए गए हैं।

उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती बार बार डोलने लगती है। भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ जाते है।सन 2022 में आए भूकंप के झटके इतने तेज थे कि गहरी नींद में सोए लोग हड़बड़ाहट में उठे और घरों से बाहर की ओर भागे थे।उस समय उत्तराखंड में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई थी। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग उठ गए और कई लोग अपनी सोसायटी में बाहर निकल आए।ऐसा लगा कि बेड को कोई बहुत तेज धक ?का मार रहा है। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे।भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त कर सकने की इसमें क्षमता होती है।भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।पिछले साल यानि सन 2021 में 11 सितंबर को जोशीमठ से 31 किलोमीटर पश्चिम दक्षिण पश्चिम में सुबह 5:58 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6 थी। उत्तराखंड में इस भूकंप का प्रभाव चमोली, पौड़ी, अल ?मोड़ा आदि जिलों में रहा था।इससे पूर्व 24 जुलाई सन 2021को उत्तरकाशी से 23 किलोमीटर दूर करीब 1 बजकर 28 मिनट पर भूकंप आया था। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.4 मापी गई थी। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी के साथ डुंडा, मनेरी, मानपुर, चिन्यालीसौड़, बड़कोट, पुरोला व मोरी से भी भूकंप के झटके महसूस किये गए थे। हरिद्वार जिले में वर्ष 2020 में एक दिसम्बर को नौ बजकर 42 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.9 मैग्नीट्यड मापी गई थी, जिसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर तक थी। इस भूकंप से कोई क्षति तो नही हुई थी।लेकिन यह भूकंप भविष्य में किसी बड़े भूकंप का संकेत अवश्य माना गया था।उत्तराखंड भूकंप के दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्र है। यहां एक साल में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए जाते हैं। 25 अगस्त सन 2020 को भी उत्तरकाशी में भूकंप आया था। उस समय भूकंप का केंद्र टिहरी गढ़वाल था। रिक्टर पैमाने पर उसकी तीव्रता 3.4 मापी गई थी। इससे पहले को चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों में 21 अप्रैल सन 2020 को भूकंप के झटके महसूस हुए थे। जिसका केंद्र चमोली जिले में था, रिक्टर पैमाने पर उस भूकंप की तीव्रता 3.3 थी। भूकंप के इन झटको ने लोगो के मन में बेचैनी बढ़ा दी है।देवभूमि उत्तराखंड से लेकर गुजरात तक भूकंप का खतरा लगातार बना हुआ है।

14 जून सन 2020 की शाम गुजरात के भचाऊ,राजकोट, अहमदाबाद में 5.5 तीव्रता के भूकंप ने सबकी नींद उड़ा दी थी।सन 2015 में नेपाल केन्द्रित भंयकर भूकम्प के कारण नेपाल और उत्तर भारत में ढाई हजार से अधिक मौते भूकंप से हो गई थी और अरबो रूपये की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी।सबसे अधिक क्षति नेपाल और नेपाल से सटे बिहार में हुई थी। उस समय सात दशमलव नौ रियेक्टर पैमाने के अधिक तीव्रता के भूकम्प से जो कि हिरोशिमा बम विस्फोट से पांच सौ चार गुना ताकतवर था,से उत्तराखण्ड में भी दहशत फैल गई थी।हिरोशिमा बम विस्फोट से साढे बारह किलोटन आफ टीएनटी एनर्जी रिलीज हुई थी जबकि इस भंयकर भूकम्प से उनास्सी लाख टन आफ टीएनटी एनर्जी रिलीज हुई है जिससे नेपाल और विहार,उत्तर प्रदेश के साथ साथ कई राज्यों में भारी नुकसान हुआ था। उत्तराखण्ड में भी उस समय कई जगह भूकम्प के झटके महसूस किये गए थे। लेकिन उत्तराखंड में भूकम्प से अधिक नुकसान नही हुआ था,लेकिन इससे पूर्व उत्तराखंड भूकंप की भयंकर त्रासदी झेल चुका है।उत्तरकाशी, पिथौरागढ़,अल्मोड़ा, द्वारहाट, चमोली जिले भूकंप के निशाने पर है।दरअसल उत्तराखण्ड भूकम्प के मुहाने पर खड़ा है, यहां कभी भी भूकंप से धरती डोल सकती है।जिससे उत्तराखण्ड कभी भी तबाह हो सकता है।

भ्रष्टाचार बढ़ता रहे, ताकि देश मेरा चलता रहे

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा

भ्रष्टाचार रूपी खाद - पानी ने भारतीयों की क्रय क्षमता को काफी मजबूती प्रदान की है ! विश्व स्तरीय मंदी का असर भी भारतवर्ष में इसी कारण नहीं घुस पाया ! वर्तमान समय में भारतवर्ष के प्रत्येक व्यक्ति की क्रय क्षमता उसके जीवन स्तर के आधार पर आसानी से समझी जा सकती है । आज से चार दशक पूर्व चार चक्का वाहन के साथ घरों में ए सी लगाना और दुपहिया वाहन का सुख ले पाने की कल्पना भी रूह कंपा दिया करती थी । अब जब हम 21वीं सदी के 2025 में कदम रख चुके हैं , तब इन सारी सुविधाओं को एक सामान्य व्यक्ति भी आसानी से प्राप्त कर पा रहा है । क्या हमने कभी विचार किया कि पहले की तुलना में बढ़ चुकी पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने के बाद इतना धन कहां से आ रहा है कि हम रईसों वाले ठाठ को चुनौती देते दिख रहे हैं ! एक सामान्य सी नौकरी करने वाला व्यक्ति भी कार में चल रहा है ! इसी कार को चलाने के लिए जरूरी ईंधन पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं , बावजूद इसके किसी का दर्द नहीं छलक रहा है ! आश्चर्य तो तब होता है जब , शिक्षा का अधिकार कानून के तहत बच्चे को शाला प्रवेश कराने वाला पालक रोज बच्चे को छोड़ने और लेने कार पर आता दिखाई पड़ता है ! जहां तक मैं समझता हूं इसके पीछे जो आर्थिक संपन्नता मजबूती पा रही है वह भ्रष्टाचार के कंधों पर चढ़कर ही आ पा रही है ! घूसखोरी का आलम यह है कि एक सरकारी फाइल भी अब बिना वजन के उठने से कतराने लगी है ! मैं तो यही चाहता हूं कि आमजनों की क्रय क्षमता यूं ही बढ़ती रहे ताकि वे अपने परिवार में खुशियां भर सकें । फिर कमाई का जरिया कैसा भी हो , क्या फर्क पड़ता है । जब बात भ्रष्टाचार और घूसखोरी की चल ही निकली है तब इस पर कुछ तथ्य परक चर्चा होना भी गलत नहीं होगा । मैं जब अपनी स्कूली शिक्षा के दौर से गुजर रहा था तब एक घटना मुझे बड़ा परेशान किया करती थी । गर्मी की भीषण शुरुआत अप्रैल - मई में दिखाई पड़ने लगती थी । उस वक्त पैरों पर प्रायः हवाई चप्पलें ही हुआ करती थीं । जूते भी उस समय शायद हर किसी के लिए खरीद पाना संभव नहीं था! भीषण गर्मी के दौर में डामरीकृत सड़कों में डाला गया डामर ऐसे पिघलता था मानों तेल की धार बह चली हो ! इसी कारण पैरों में पहनी गई स्लीपर उसमें चिपक जाया करती थी और उसकी पट्टियां दम तोड़ देती थीं । शायद आप मेरे विचार से सहमत हों कि सत्तर के दशक से लेकर अब तक गर्मी ने अपना रौद्र रूप और खतरनाक ढंग से दिखना शुरू कर दिया है । वर्ष प्रति वर्ष बढ़ रहे तापमान के पारे में अब क्या इतना दम नहीं रहा कि वह सड़कों के डामर को गला सके ? उस वक्त एक और अच्छा काम डामर के गलने से यह हुआ करता था कि सड़कों से डामर खरोंचकर जरूरतमंद लोगों द्वारा घर ले जाकर फूटी बाल्टी या गाजियों में लगाकर सड़क बनाने वाले ठेकेदारों का आभार माना जाता था ! दूसरी बड़ी बात यह कि डामर के गलने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन सड़कों पर रेत का छिड़काव भी कराता था । मुझे आश्चर्य है अब डामर क्यों नहीं गलते ? अरे ! मेरे भाई ! डामर तो तब गले न जब सड़कों को बनाने में उसका इस्तेमाल किया जाए ! मैं क्यों सड़क बनाने वाले ठेकेदारों से दुश्मनी ले रहा हूं ? क्या आज बनाई जाने वाली सरकारी बिल्डिंगें टिक पा रही हैं ? जिस सीमेंट , रेत , छड़ और गिट्टी - ईंटों के संयोजन से हम अपना घर बनाया करते थे वे आज इतने कमजोर कैसे हो गए ? पहले के बनाए गए भवनों का जीवन काफी लंबा हुआ करता था , किंतु अब भवनों को 20 - 25 वर्षों में ही फिर से नया जीवन देने लाखों रूपए खर्च करने पड़ते हैं ! अंग्रेजों के जमाने की बनाई गई पुल - पुलिया आज भी सीना तानकर खड़ी हैं । उनके जाने के बाद भारत का नव - निर्माण करने जैसी बातें करते हुए बनाए गए पुल रोज अपनी इहलीला तोड़ते दिखाई पड़ रहे हैं ! आश्चर्य तो तब होता है जब पुल - पुलिया अपने लोकार्पण से पूर्व ही चीखने लगते हैं और ठेकेदार से हाथ जोड़कर विनती करते दिखते हैं कि हे ! प्रभु ! मेरी छाती पर किसी को न चढ़ने दें ! मैं बात बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगी ! दूसरी ओर उसी पुल - पुलिया को बनाने वाले ठेकेदार का खुद का घर बड़े से बड़े भूकंप को भी दांत दिखाते हुए चिढ़ाता नजर आता है ! तब मुझे लगता है क्यों न उन कारणों को खोजने के लिए पी एच डी की जाए कि पुल - पुलिया और ठेकेदार के मकान में उपयोग की गई सामग्री में इतना अंतर क्यों और कैसे आ गया ? भ्रष्टाचार रूपी खाद जहां ज्यादा बांटा जाता है , उस स्थान को मेरे पाठक बखूबी जानते हैं । नगर पंचायत से लेकर नगर पालिका ,नगर निगमों से गुजरते हुए हम विधानसभाओं और संसद की भव्य इमारत तक पहुंचे तो हमारी सारी दुविधाएं समाप्त हो जाती हैं । पंच , सरपंच , पार्षद जैसे छोटे पदों पर आसीन होने के साथ निर्धनता कहां चली जाती है ? इसे शायद कोई नहीं जानता ? विधानसभा क्षेत्रों और संसदीय क्षेत्रों के विकास के लिए प्रदान की गई राशि से किसका और कितना विकास हो रहा है , इसे बताने की जरूरत शायद नहीं है । कारण यह कि किशोर दा ने हमें वर्षों पूर्व ही बता दिया था कि ये जो पब्लिक है ,.ये सब जानती है .अजी अंदर क्या है ? अजी बाहर क्या है ? ये सब कुछ पहचानती है। एक जन प्रतिनिधि कुछ ही वर्षों में अपनी शान - ओ - शौकत के दम पर धन के रहा कुबेर को कैसे चिढ़ाने लगता है ! इसे भला कौन नहीं जानता ? खैर ! मैं तो बात कर रहा था भारत वंशियों की क्रय क्षमता में वृद्धि की । मुझे क्या लेना - देना ! कौन क्या कर रहा है ?

टीएस सिंहदेवः कांग्रेस के लिए नई चुनौती या संकट?

- सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में इन दिनों राजनीतिक हलचल तेज हो गई है, जो राज्य की राजनीतिक दिशा को तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह हलचल मुख्य रूप से टीएस सिंहदेव, जिन्हें पार्टी के अंदर बाबा के नाम से जाना जाता है, के इर्द-गिर्द घूम रही है। सिंहदेव ने पिछले कुछ महीनों से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने की कोशिशों में गति ला दी है, और उनकी कार्यशैली और राजनीतिक प्रयासों को लेकर पार्टी में एक बड़ी बहस छिड़ी हुई है। उनका नाम पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस के भीतर एक विवादित और महत्वपूर्ण नाम बन चुका है, विशेष रूप से जबसे भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री बनने के बाद सिंहदेव ने अपनी असहमति और सत्ता की इच्छा को सार्वजनिक किया। टीएस सिंहदेव का राजनीतिक जीवन हमेशा से विवादों और संघर्षों से भरा रहा है। उनकी सत्ता की चाहत और उनके कदमों से पार्टी में कई बार अस्थिरता पैदा हो चुकी है। राज्य के सत्ता संचालन में उनका दृष्टिकोण और उनकी महत्वाकांक्षाएं कांग्रेस की स्थिति पर गहरा असर डाल सकती हैं। अगर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने का उनका सपना पूरा होता है, तो पार्टी की राजनीति में गंभीर बदलाव हो सकते हैं, जिससे पार्टी के भविष्य पर बड़ा असर पड़ सकता है।

सिंहदेव का कांग्रेस की नेतृत्व की ओर बढ़ता कदम और उनकी चालों ने पार्टी के भीतर असहमति और एकता की कमी को उजागर किया है। भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री बनने के बाद सिंहदेव ने खुलकर विरोध किया था, जो पार्टी के भीतर असहमति की खाई को और गहरा कर गया। जब कांग्रेस नेतृत्व ने ढाई-ढाई साल का फार्मूला अपनाया और सिंहदेव को उप मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया, तब भी सिंहदेव संतुष्ट नहीं हुए। लेकिन कुछ दिनों के बाद उन्होंने डिप्टी सीएम बनने की अपनी इच्छा को सार्वजनिक रूप से जताया और एक बार फिर पार्टी में विवाद खड़ा किया। यह स्थिति कांग्रेस के लिए नुकसानदायक साबित हुई, क्योंकि इससे पार्टी की छवि सत्ता के लोभ में बुरी तरह उलझे हुए दल के रूप में बन गई, जो जनता के बीच नकारात्मक संदेश गया। कांग्रेस पार्टी की जो सशक्त विपक्ष की छवि थी, वह इस तरह की घटनाओं से कमजोर पड़ी और पार्टी के भीतर एक गहरी खींचतान की शुरुआत हो गई।

निकाय चुनाव के दौरान सिंहदेव ने एक और विवाद खड़ा किया, जब उन्होंने पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के माध्यम से टिकट वितरण में लेनदेन होने का दावा किया। हालांकि, यह आरोप बाद में पूरी तरह से निराधार साबित हुआ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने स्पष्ट किया कि टिकट वितरण की प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी थी और इसमें किसी प्रकार का लेनदेन नहीं हुआ। बावजूद इसके, सिंहदेव ने इस मामले में उथल-पुथल मचाने की कोशिश की, जिससे पार्टी की एकजुटता पर सवाल उठने लगे। पार्टी के भीतर विभिन्न नेताओं के बीच इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप कांग्रेस की साख पर सवाल उठाते हैं।

दीपक बैज के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने पिछले कुछ महीनों में कई बड़े मुद्दों पर मुखर होकर अपनी स्थिति को मजबूत किया है। हसदेव अरण्य, कवर्धा कांड और बलौदा बाजार कांड जैसे मामलों में बैज ने अपनी आवाज उठाई और पार्टी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कई पदयात्राएं निकालीं। उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने यह साबित किया कि पार्टी अभी भी एक सशक्त विपक्ष के रूप में खड़ी है और उसकी जड़ें जनता के बीच मजबूत हैं। दीपक बैज ने पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच एकजुटता बनाए रखने की पूरी कोशिश की और विभिन्न मुद्दों पर संघर्ष करते हुए कांग्रेस को एक नई दिशा दी। सिंहदेव के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने की राह आसान नहीं होगी, क्योंकि पार्टी के भीतर उनके खिलाफ कई आरोप पहले से ही लगे हुए हैं।

बिना पगड़ी के सिख, बेड़ियों-जंजीरों में आये अवैध प्रवासी, भारतीय गोलमेज सम्मेलन की याद

- सनत जैन

अमेरिका ने 119 अवैध भारतीय प्रवासियों की दूसरी खेप भारत भेजी है। पहली खेप में जो अवैध प्रवासी भारतीय आए थे, उनमें महिलाएं, बच्चे और पुरुष सभी को बेडियों और जंजीरों से जकड़ कर अमेरिका से भेजा गया था। दूसरी खेप में जो अवैध प्रवासी भारत के अमृतसर हवाई अड्डे में सेना के विमान से भेजे गए हैं, उनमें जो सिख युवक आए हैं, अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों ने उनकी पगड़ी उतरवाली थी। उन्हें खुले केश में अमेरिका से भारत वापस भेजा गया है। जिसे सिख धर्म का अपमान बताया जा रहा है। दूसरी खेप में जो प्रवासी आए हैं। जो पुरुष अवैध प्रवासी थे। उनको जंजीरों और बेडियों से जकड़ कर भेजा गया है। पहली बार जब अवैध प्रवासियों को भारत भेजा गया था, तब बेडी और जंजीरों में जकडकर प्रवासियों को भारत वापस भेजा गया था। उस समय इसकी बड़ी तीव्र आलोचना हुई थी। संसद में भी यह मामला उठा था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि अमेरिका सरकार के सामने इस संबंध में भारत सरकार अपनी आपत्ति दर्ज कराएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलकर वापस लौटे हैं। भारत सरकार ने अमेरिका के साथ बहुत सारे सौदे भी किए हैं। उसके बाद भी जिन अवैध प्रवासी भारतीयों को भारत वापस भेजा गया है, उसमें सिखों के सिर से पगड़ी उतार ली गई है। सफर के दौरान खाने में प्रवासियों को बीफ दिया गया है। दूसरी खेप में अमेरिका से जो भारतीय डिपोर्ट किए गए हैं। उसको लेकर भारत सरकार की बड़ी आलोचना देश के अंदर हो रही है। सिखों के बीच में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले देश भारत, जब वह तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था होने का दावा कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री जब अपने आप को विश्व गुरु बताते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी दोस्ती के दावे किए जाते हैं। तब भारतीयों की इस स्थिति को देखकर लोगों में गुस्सा पनपना स्वाभाविक है। वर्तमान स्थिति में लोगों को गोलमेज सम्मेलन की याद आने लगी है। 7 सितंबर 1931 से 1 दिसंबर 1931 के बीच में लंदन में गोलमेज सम्मेलन आयोजित हुआ था। इस सम्मेलन में तीन बैठकें हुई थीं। इस सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से भाग लेने के लिए महात्मा गांधी लंदन गये थे। जॉर्ज पंचम से मिलने के लिए ब्रिटिश सरकार ने गांधी जी को सूट-बूट के साथ मिलने का ड्रेस कोड बताया। बिना ड्रेस कोड के जॉर्ज पंचम किसी के साथ नहीं मिलते हैं। यह गांधी जी को बताया गया था। गांधी जी ने मिलने से इनकार कर दिया। गांधी जी ने कहा जैसे हम हैं, वैसे ही मिलेंगे। जब यह बात जॉर्ज पंचम को पता लगी। उन्होंने उसी वेशभूषा में महात्मा गांधी से मिलने पर सहमति दी। यह भारत और महात्मा गांधी का गौरव था। उस समय भारत ब्रिटिश साम्राज्य का गुलाम था। गुलामी में रहते हुए भी गांधी जी ने भारत के स्वाभिमान और अपने मान सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया। वर्तमान में भारत स्वतंत्र गणराज्य है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सारी दुनिया में धाक है। भारत आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है। तब अमेरिका के नियमों के आधार पर भारतीयों को इस तरह से जंजीरों में जकड़कर भेजा जाना, किसी को रास नहीं आ रहा है। वर्तमान स्थिति में लोगों को अब गोलमेज सम्मेलन के साथ-साथ 1971 के भारत-पाकिस्तान के युद्ध की यादें ताजा होने लगी है। 1971 में भारत की आर्थिक स्थिति बहुत बेहतर नहीं थी। उसके बाद भी तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने जिस तरह से अंग्रेजों के सातवें वेडे और अमेरिकी प्रतिबंधों से बिना घबराहट के मुकाबला किया। सारी दुनिया को 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भारत की ताकत का एहसास कराया। 2025 मे जिस तरह की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। उससे भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि सारी दुनिया के देशों के बीच में खराब हो रही है। पिछले 11 वर्षों में शक्तिशाली प्रधानमंत्री के रूप में जो छवि नरेंद्र मोदी की बनाई गई थी, वह छवि तेजी के साथ दरकती हुई दिख रही है। अवैध प्रवासियों को लेकर कोलंबिया और मेक्सिको ने जिस तरीके का रुख अपनाया। अमेरिका के सैनिक विमान को उन्होंने अपने देश में उतरने की अनुमति नहीं दी। अमेरिका को अपने विमान वापस लौटाकर ले जाना पड़ा। छोटे-छोटे देशों के सामने अमेरिका की किरकिरी हुई। भारत सरकार की चुप्पी पर सारी दुनिया के देशों में चर्चा हो रही है। भारत इतना शक्तिशाली देश है। उसके बाद भी वह अमेरिका से क्यों दब रहा है। इसको लेकर अटकलों का नया दौर भारत सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखने को मिल रहा है। कहा जाता है, बंधी मुट्ठी लाख की खुल गई तो खाक की। वर्तमान स्थिति में भारत अपनी छवि को कैसे बेहतर बनाए रख सकता है। इसको लेकर भारत सरकार को गंभीरता से सोचना होगा।

संक्षिप्त समाचार

सर्बिया में रेलवे स्टेशन की छत गिरने से 15 लोगों की मौत

नोवी सैड, एजेंसी। सर्बिया के दूसरे सबसे बड़े शहर नोवी सैड में एक पुनर्निर्मित रेलवे स्टेशन की छत गिरने से 15 लोगों की मौत के तीन माह बाद भी प्रदर्शन हो रहे हैं। दोषियों को सख्त सजा दिए जाने व मृतकों के परिजनों के लिए न्याय की मांग करते हुए रविवार को मध्य सर्बियाई शहर क्रागुजैवैक में करीब 15 हजार लोगों ने मोबाइल की फ्लैशलाइट व टॉर्च जलाकर प्रदर्शन किया। बड़े पैमाने पर हो रहे प्रदर्शनों से राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वूसिक की सत्ता पर एक दशक पुरानी पकड़ कमजोर हो गई है।

इस साल जुलाई में ब्रिक्स की मेजबानी करेगा ब्राजील

ब्राजिलिया, एजेंसी। ब्राजील इस साल जुलाई में ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी करेगा। 6 और 7 जुलाई को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में होने वाले इस सम्मेलन में भारत के अलावा चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश भाग लेंगे। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, ब्राजील 2025 तक विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के समूह की अध्यक्षता करेगा। इस दौरान वह वैश्विक शासन सुधार और ग्लोबल साउथ (वैश्विक दक्षिण) देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। भारत, ब्राजील, रूस और चीन ने साल 2009 ने ब्रिक की स्थापना की थी। अगले साल 2010 में दक्षिण अफ्रीका इस संगठन से जुड़ा, जिसके बाद इसे ब्रिक्स कहा जाने लगा। पिछले साल ईरान, मिस्र, इथोपिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ब्रिक्स में शामिल हुए।

नेपाल में एक हफ्ते तक संसद में पेश नहीं होंगे 5 अध्यादेश

काठमांडू, एजेंसी। सरकार ने पांच अध्यादेशों को संसद में पेश किए जाने की योजना अगले हफ्ते तक टाल दी है। नेपाल सरकार ने 18 फरवरी को संसद के दोनों सदनों में अध्यादेश पेश करने की योजना बनाई थी, लेकिन सांसदों के राजधानी से बाहर होने के कारण अब इसे 23 फरवरी तक के लिए टाल दिया गया है। सत्ता पक्ष ने भूमि संबंधी अध्यादेश को छोड़कर बाकी पांच अध्यादेशों को संसद से पारित कराने की तैयारी की है। सत्तारूढ़ दल के प्रमुख सचेतकों की रविवार को हुई बैठक में विधेयकों को शीघ्र पारित कराने की रणनीति पर सहमति बनी। सिंह दरबार स्थित सीपीएन-यूएमएल संसदीय दल के कार्यालय में हुई बैठक में अध्यादेशों को पेश करने व उन्हें कार्यसूची में शामिल करने पर भी चर्चा हुई।

सिंगापुर की संसद में झूठ बोलने के दोषी पाए गए भारतवंशी नेता

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में एक भारतवंशी सांसद को सिंगापुर की संसद में झूठी गवाही देने का दोषी पाया गया है। भारतवंशी नेता प्रीतम सिंह ने संसदीय समिति के सामने झूठी गवाही दी, इसके चलते प्रीतम सिंह को संसद सदस्यता से अयोग्य ठहराया जा सकता है और इस साल के आम चुनाव में उनके चुनाव लड़ने पर भी रोक लग सकती है। सिंगापुर की अदालत ने प्रीतम सिंह को दोषी माना है। सिंह पर एक अन्य सांसद के मामले में जांच कर रही संसदीय समिति के सामने झूठी गवाही देने का दोषी पाया गया है। सजा के तहत प्रीतम सिंह को तीन साल जेल और सात हजार सिंगापुरी डॉलर या दोनों की सजा हो सकती है।

प्यार अंधा है! 65 साल का बुजुर्ग 25 साल की लड़की पर हुआ फिदा, पहली को देने जा रहा तलाक

लंदन एजेंसी। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक 65 साल के बुजुर्ग के तलाक का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, बुजुर्ग अपनी सालों पुरानी शादी को छोड़कर एक 25 साल की टिकटॉकर से शादी करना चाहते हैं। बुजुर्ग की इस हरकत से उनका परिवार काफी परेशान है। परिवार का कहना है कि बुजुर्ग नाइजीरिया के लागोस जाकर उससे शादी करना चाहते हैं। दोनों एक साल से ज्यादा समय से एक-दूसरे से संपर्क में हैं और इस दौरान बुजुर्ग ने कई बार लड़की को पैसे भी भेजे हैं। उन्होंने वीजा के लिए भी आवेदन किया है।

हमास का सफाया किया जाना चाहिए, गाजा में अस्थिर युद्धविराम पर संदेह और बढ़ा : रुबियो

यरूशलम, एजेंसी।
अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गाजा पट्टी में इजराइल के युद्ध उद्देश्यों का पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि हमास को 'खत्म किया जाना चाहिए' क्योंकि इसने अस्थिर युद्धविराम के भविष्य पर संदेह खड़ा कर दिया है। रुबियो ने क्षेत्रीय दौरे की शुरुआत में यरूशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की, जहां उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पट्टी से फलस्तीनी आबादी को स्थानांतरित करने और अमेरिकी स्वामित्व के तहत इसे पुनर्विकसित करने के प्रस्ताव पर अरब नेताओं से प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। नेतन्याहू ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया और कहा कि गाजा के भविष्य के लिए उनके व ट्रंप के पास एक 'साझा रणनीति' है। नेतन्याहू ने ट्रंप की बात दोहराते हुए कहा कि अगर हमास सात अक्टूबर 2023 को किये हमले में अपहृत दर्जनों बंधकों को रिहा नहीं करता है, तो 'नरक के द्वार खुल जाएंगे'। इजराइल के प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी युद्धविराम के पहले चरण के समाप्त होने से ठीक दो सप्ताह पहले आई है। दूसरे चरण पर हालांकि अब तक बातचीत नहीं हुई है, जिसमें

हमास को अधिक फलस्तीनी कैदियों के बदले में दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करना है। रुबियो ने कहा कि हमास 'सैन्य या सरकारी बल के रूप में मौजूद नहीं रह सकता'। रुबियो ने कहा, जब तक यह (हमास) शासन-प्रशासन के रूप में एक ताकत बनकर खड़ा है तब तक शांति असंभव है। इसे मिटा दिया जाना चाहिए। इस तरह की हमास के साथ बातचीत जारी रखने के प्रयासों को जटिल बना सकती है, जो युद्ध में भारी नुकसान उठाने के बावजूद कायम है और गाजा पर इसका नियंत्रण बरकरार है। इस बीच इजराइली सेना ने बताया कि उसने रविवार तड़के दक्षिणी गाजा में उसकी सेना के पास आने वाले लोगों पर हवाई हमला किया। हमास द्वारा संचालित आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि हमला उस समय हुआ जब पुलिसकर्मी मिस्र की सीमा पर राफा के पास सहायता ट्रकों के प्रवेश को सुरक्षित कर रहे थे। मंत्रालय के मुताबिक, हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी। गाजा में इजरायल की नीतियों का स्पष्ट समर्थन करने के लिए अमेरिका का धन्यवाद करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि उनकी और ट्रंप की एक समान रणनीति है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि हम हमेशा इस रणनीति का विवरण सार्वजनिक नहीं कर सकते, जिसमें यह भी शामिल है कि हम कब कड़े कदम उठाएंगे, क्योंकि हम तब तक ऐसा करेंगे जब तक हमारे सभी बंधक रिहा नहीं हो जाते। कहा कि दोनों देश तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय सैन्य गतिविधियों का सामना करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए और क्षेत्र में ईरान की आक्रामकता को रोकना होगा।

पाकिस्तान में भारत का एक और दुश्मन आतंकी ढेर! मोटरसाइकिल सवार ने लश्कर चीफ काशिफ को गोलियों से भूना

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान में भारत के दुश्मन आतंकवादियों के सफाए का सिलसिला जारी है। खैबर पख्तूनख्वा के स्वाबी जिले में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर मौलाना काशिफ अली अज्ञात हमलावरों का शिकार बन गया। बाइक सवार बंदूकधारियों ने काशिफ अली पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उसकी हत्या कर दी ।

काशिफ अली मदरसों और मस्जिदों का इंचार्ज था और पाकिस्तानी युवाओं को जिहाद के नाम पर आतंकवाद की राह पर धकेलता था। लश्कर के राजनीतिक संगठन पीएमएमएल से भी उसका गहरा संबंध था । वह आतंकवादियों को ट्रेनिंग कैंपों में जिहादी लेक्चर देता और नए रंगरूट तैयार करता था। काशिफ अली की हत्या के बाद लश्कर से जुड़े संगठनों में जबरदस्त खलबली मच गई । कई संगठनों ने पाकिस्तान सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की आलोचना करते हुए हत्यारों को पकड़ने की मांग की। सोशल मीडिया पर भी पाकिस्तान सरकार को घेरा जा रहा है, जहां आतंक समर्थक गुटों ने आरोप लगाया कि काशिफ अली को

इसलिए मारा गया क्योंकि वह पाकिस्तान से प्यार करता था । बीते एक महीने में लश्कर-ए-तैयबा के चार आतंकवादी रहस्यमयी परिस्थितियों में मारे गए हैं । इनमें से दो की संदिग्ध सड़क हादसों में मौत हुई थी जबकि अब काशिफ अली को भी मार गिराया गया। इन घटनाओं के बाद आतंकी संगठनों के बड़े सरगनाओं में डर और गुस्से का माहौल है । वे पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसियों को शक की नजर से देख रहे हैं और लगातार सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं।

युद्धविराम डील पर संकट के बादल ! यूएस विदेश मंत्री ने कहा- हमास का खात्मा जरूरी

ट्रंप प्लान के लिए गाजा खाली करें फिलीस्तीनी

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को गाजा पट्टी में इजराइल के युद्ध उद्देश्यों का पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि हमास को 'खत्म किया जाना चाहिए क्योंकि इसने अस्थिर युद्धविराम के भविष्य पर संदेह खड़ा कर दिया है। रुबियो ने क्षेत्रीय दौरे की शुरुआत में यरूशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की, जहां उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पट्टी से फिलीस्तीनी आबादी को हटाने और अमेरिकी स्वामित्व के तहत इसे पुनर्विकसित करने के प्रस्ताव को दोहराया और कहा कि इसके लिए उन्हें अरब नेताओं से प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। नेतन्याहू ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया और कहा कि गाजा के भविष्य के लिए उनके व ट्रंप के पास एक 'साझा रणनीति है। नेतन्याहू ने ट्रंप की बात दोहराते हुए कहा कि अगर हमास सात अक्टूबर 2023 को किये हमले में अपहृत दर्जनों बंधकों को रिहा नहीं करता है, तो 'नरक के द्वार खुल जाएंगे। इजराइल के प्रधानमंत्री की

यह टिप्पणी युद्धविराम के पहले चरण के समाप्त होने से ठीक दो सप्ताह पहले आई है। दूसरे चरण पर हालांकि अब तक बातचीत नहीं हुई है, जिसमें हमास को अधिक फिलीस्तीनी कैदियों के बदले में दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करना है। रुबियो ने कहा कि हमास 'सैन्य या सरकारी बल के रूप में मौजूद नहीं रह सकता। रुबियो ने कहा, जब तक यह (हमास) शासन-प्रशासन के रूप में एक ताकत बनकर खड़ा है तब तक शांति असंभव है। इसे मिटा दिया जाना चाहिए। इस तरह की भाषा हमास के साथ बातचीत जारी रखने के प्रयासों को जटिल बना सकती है, जो युद्ध में भारी नुकसान उठाने के बावजूद कायम है और गाजा पर इसका नियंत्रण बरकरार है। इस बीच इजराइली सेना ने बताया कि उसने रविवार तड़के दक्षिणी गाजा में उसकी सेना के पास आने वाले लोगों पर हवाई हमला किया। हमास द्वारा संचालित आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि हमला उस समय हुआ जब पुलिसकर्मी मिस्र की सीमा पर राफा के पास सहायता ट्रकों के प्रवेश को सुरक्षित कर रहे थे।

इयाल जमीर बने इजराइली सेना के चीफ ऑफ स्टाफ

तेल अवीव, एजेंसी।
इजराइली सरकार ने रविवार को मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) इयाल जमीर को इजराइली रक्षा बलों के अगले चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में नियुक्त करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी. जमीर लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी की जगह लेंगे, जिन्होंने 21 जनवरी को घोषणा की थी कि वे सेना की 7 अक्टूबर की विफलताओं के कारण इस्तीफा दे देंगे. हलेवी 5 मार्च को पद छोड़ने वाले हैं.

जमीर, 59, का जन्म और पालन-पोषण ईलाट में हुआ. वे आर्मर्ड कोर में अपना करियर शुरू करने के लिए चीफ ऑफ स्टाफ बनेंगे. 1984 में सेना में शामिल होने के बाद वे एक टैंक कमांडर बन गए, धीरे-धीरे रैंक चढ़ते गए. आखिरकार उन्हें 2012-2015 तक नेतन्याहू के सैन्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया. वाशिंगटन स्थित वाशिंगटन इंस्टीट्यूट फॉर नियर ईस्ट पॉलिसी में विजिटिंग रिसर्च फेलो बनने से पहले 2018 से 2021 तक वे डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ थे. जमीर को 2018 और 2022 में चीफ ऑफ स्टाफ के लिए भी विचार किया गया था. 2023 में, उन्हें रक्षा मंत्रालय का महानिदेशक नियुक्त किया गया. उनके पास तेल अवीव और हाइफा विश्वविद्यालयों से भी डिग्री है और वे व्हार्टन विश्वविद्यालय के सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम के स्नातक हैं. आईडीएफ चीफ ऑफ़ स्टाफ़ तीन साल के लिए काम करता है, जिसमें एक साल का विस्तार भी संभव है. अपने कार्यकाल की समाप्ति से पहले पद छोड़ने वाले आखिरी चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट-जनरल थे.

डैन हेलुट्ज़, जिन्होंने 2006 के दूसरे लेबनान युद्ध के दौरान आईडीएफ की विफलताओं के कारण 2007 में इस्तीफा दे दिया था. राजनीतिक और सैन्य विफलताओं की जांच के लिए सरकार द्वारा एक स्वतंत्र जांच आयोग नियुक्त करने की मांग बढ़ रही है. ऐसे आयोगों के पास गवाहों को बुलाने और सबूत इकट्ठा करने का व्यापक अधिकार होता है और इनका नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट के एक वरिष्ठ न्यायाधीश करते हैं.

इनमें जांच के दायरे में आने वाले व्यक्तियों के बारे में व्यक्तिगत सिफारिशें शामिल हो सकती हैं, हालांकि सरकार सिफारिशों पर कार्रवाई करने के लिए बाध्य नहीं है. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और सत्तारूढ़ गठबंधन का कहना है कि एक स्वतंत्र आयोग की नियुक्ति युद्ध के बाद ही की जानी चाहिए. पिछले राज्य जांच आयोग ने, जिसने इजराइल की सबसे खराब नागरिक आपदा (मेरोन पर्वत पर एक पवित्र स्थल पर भगदड़ जिसमें 45 लोग मारे गए थे) की जांच की थी, अप्रैल में जारी एक रिपोर्ट में नेतन्याहू को इस त्रासदी के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया था.

ट्रंप ने हटाए प्रतिबंध, इजराइल पहुंची अमेरिकी बमों की बड़ी खेप

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल के बीच संबंधों में काफी बदलाव आए हैं. ये बदलाव डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद हुआ है. ट्रंप ने बाइडेन प्रशासन द्वारा इजराइल को हथियारों की आपूर्ति करने पर लगाई गई रोक को पलट दिया. इस फैसले के बाद अमेरिका ने इजराइल को एमके-84 जैसे भारी बमों की आपूर्ति की है. हालांकि, इस समय इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम लागू है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इजराइल के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका द्वारा हाल ही में हथियारों की आपूर्ति पर लगी रोक को हटा लिया गया है. इसके बाद इजराइल को अमेरिकी एमके-84 बमों की आपूर्ति की गई. एमके-84 एक विशेष प्रकार का बम है जो लक्ष्यों को भेदने और अपनी भारी विस्फोट शक्ति से व्यापक क्षति पहुंचाने में सक्षम है. रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को एक बयान में कहा कि हथियारों की यह खेप शनिवार देर रात इजराइली बंदरगाह अशदोद पहुंची और इसे रात भर में उतार कर गनतव्य तक पहुंचा दिया गया. कंटेनरों को दर्जनों ट्रकों पर लादते हुए दिखाया गया. मंत्रालय के अनुसार बमों को इजरायल की वायु सेना के ठिकानों तक पहुंचाया गया. पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने गाजा पट्टी के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में उनके संभावित उपयोग और प्रभाव के बारे में चिंताओं के कारण इजरायल को एमके-84 बमों की डिलीवरी को निलंबित कर दिया था. गाजा में अक्टूबर 2023 से इजरायली बमबारी और जमीनी हमलों में हजारों लोग मारे गए. इसी बयान में इजराइली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि लेटेस्ट शिपमेंट वायुसेना और आईडीएफ (इजरायल रक्षा बलों) के लिए एक महत्वपूर्ण है. उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन को बमों की आपूर्ति करने और इजरायल के प्रति उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया.

रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने कांगो के खनिज समृद्ध पूर्वी क्षेत्र के दूसरे प्रमुख शहर पर कब्जा किया

बुकावु (कांगो), एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगों में रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने खनिज समृद्ध पूर्वी कांगो के दूसरे प्रमुख शहर पर कब्जा कर लिया है। विद्रोही समूह 'एम23' ने पुष्टि की है कि उसके लड़ाके बुकावु शहर में हैं और कांगो की सेना के शहर से जाने के बाद उन्होंने यहां की सुरक्षा व्यवस्था संभालने का जिम्मा लिया है। 'द कांगो रिवर अलायंस' ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने 13 लाख की आबादी वाले शहर बुकावु में सुरक्षा चुनौतियों को हल करने और ''बुकावु की जनता की सहायता करने का निर्णय लिया है।''

'द कांगो रिवर अलायंस' विद्रोही समूहों का संगठन है जिसमें 'एम23' भी शामिल है। संगठन के प्रवक्ता लॉरेंस कान्युका ने एक बयान में कहा, ''हमारे बल लोगों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं, जिससे पूरी आबादी संतुष्ट है।'' ऐसा प्रतीत होता है कि सरकारी बलों ने विद्रोहियों से कोई खास संघर्ष नहीं किया और यहां एक भी सैनिक मौजूद नहीं है। शनिवार को हजारों नागरिकों के साथ कई सैनिक भागते हुए देखे गए थे।

'एम23' के एक चरमपंथी बर्नार्ड महेशे बयामुंगू ने बुकावु में दक्षिण किवु के गवर्नर कार्यालय के सामने खड़े होकर निवासियों से कहा कि वे ''जंगल'' में रह रहे हैं। उसने कहा,'' हम पुराने शासन की अव्यवस्था को खत्म करने जा रहे हैं।

जर्मनी में एएफडी पार्टी सरकार बनाने की दौड़ में आगे, 80 साल में पहली बार कट्टरपंथी पार्टी को बढ़त

प्रचार में ट्रम्प का मॉडल अपनाया

बर्लिन, एजेंसी।
जर्मनी में 23 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। इस बार के चुनाव नतीजे बेहद दिलचस्प होने वाले हैं। चांसलर ओलाफ शुल्ज का सत्तारूढ़ एसडीपी गठबंधन प्री-पोल सर्वे में बुरी तरह से पिछड़ रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 80 साल में पहली बार कट्टरपंथी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी (एएफडी) तेजी से आगे बढ़ी है।

अभी एएफडी सरकार बनाने की रेस में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले चुनाव में ये पार्टी 7वें नंबर पर रही थी। एएफडी

चुनाव मॉडल पर प्रचार कर रही है। पार्टी का एजेंडा भी ट्रम्प की लाइन पर है। इस पार्टी ने जर्मनी फर्स्ट का नारा दिया है। एएफडी की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लग सकता है कि ये पार्टी हाल में हुए प्रांतीय चुनाव में पांच में से दो प्रांतों में बहुमत हासिल कर चुकी है। संघीय चुनावों में भी इस बार एएफडी को रिकॉर्ड वोट मिलने की संभावना है।

एएफडी युवाओं में लोकप्रिय, प्रवासियों पर सख्ती: एएफडी युवाओं में बेहद लोकप्रिय है। 50 साल से कम उम्र के लगभग 70 प्रतिशत वोटर एएफडी को वोट देने की बात कह रहे हैं। जर्मनी में कुल लगभग 6 करोड़ वोटर हैं। एएफडी की नेता एलिस वीडल प्रवासियों के मुद्दे पर अपने सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं। उनका एजेंडा प्रवासियों को वीसा देने में कटौती करना और यूरोपीय यूनियन के साथ संबंधों पर फिर से विचार करना है। यानी एएफडी यदि सरकार बनाने में सफल रहती है तो अमेरिका के साथ संबंधों को बढ़ाएगी। एलिस की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए सीडीयू के फेडरिच मर्ज और एसडीपी के ओलाफ शुल्ज भी अब प्रवासियों को वीसा में कटौती के मुद्दे को उठा रहे हैं।

भारतीयों पर असर: स्किल और स्टूडेंट वीसा में कटौती की आशंका: एएफडी की जीत भारतीय हितों पर भारी पड़ सकती है। हाल ही में जर्मनी ने इस साल से भारतीयों को चार गुना अधिक स्किल वीसा जारी करने का ऐलान किया है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शुल्ज ने अक्टूबर में अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा था कि हमारे देश को भारतीय टैलेंट की जरूरत है।

लेकिन इन चुनावों में कट्टरपंथी एएफडी पार्टी को जीत मिलती है तो उसकी जर्मनी फर्स्ट की नीति के तहत जर्मन लोगों को पहले जॉब ऑफर किए जाएंगे। फिलहाल जर्मनी हर साल 20 हजार भारतीयों को स्किल वीसा जारी करता है। शुल्ज ने इसे बढ़ाकर 80 हजार करने की बात कही थी। अभी जर्मनी में 2 लाख 85 हजार भारतीय रहते हैं।

एएफडी की सरकार बनने के बाद वर्क वीसा और परमानेंट रेजिडेंसी में भी दिक्कत आ सकती है। जर्मनी में भारतीय छात्रों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। 2021 में जहां 25 हजार भारतीय छात्र थे, ये संख्या 2024 में बढ़ कर लगभग दो गुनी हो गई है। जर्मनी में भारतीय छात्र यूरोप में दूसरे नंबर पर हैं। पहले नंबर पर भारतीय छात्र ब्रिटेन में हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा-

आयकर राहत का मतलब पूंजीगत व्यय से सरकार का ध्यान हटना नहीं

» पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर खपत पर जोर देने की बात सही नहीं

नई दिल्ली। बजट 2025 में दी गई आयकर में भारी छूट का मतलब यह नहीं है कि सरकार ने पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर खपत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को यह बात कही। वित्त मंत्री की यह प्रतिक्रिया बजट 2025-26 में सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को आयकर के दायरे से बाहर रखने के बाद यह बहस शुरू होने के बाद आई है कि सरकार ने लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी के आंकड़ों में धीमी वृद्धि को देखते हुए खपत को बढ़ावा देने पर जोर दिया है।

मुंबई में हितधारकों के साथ बजट के बाद की बातचीत में, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर खपत पर जोर दिया गया है, सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में पूंजीगत व्यय प्रावधानों में लगातार वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि व्यापक तस्वीर यह है कि कोविड के बाद से सरकार का जोर पूंजीगत संपत्ति बनाने के लिए सार्वजनिक व्यय पर बना हुआ है। इस बार, बजट 2025 में पूंजीगत व्यय पर खर्च का प्रस्ताव 10.2 प्रतिशत अधिक और लगभग 16 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पीएसयू पूंजीगत व्यय भी शामिल है। सरकार ने खुद 2025-26 के लिए 11.21 लाख रुपये का पूंजीगत व्यय बजट में रखा है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने पूंजीगत व्यय बजट बढ़ाया है और साथ ही कर में कटौती के माध्यम से कुछ रियायतें दी हैं, खासकर व्यक्तिगत आयकर, उन लोगों के लिए जो खर्च करना या बचत करना या निवेश करना चाहते हैं। वित्त ने करदाताओं के बारे में सोचने और उन्हें बड़ी कर राहत देने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस बात पर तुरंत सहमत हो गए कि बजट में 12 लाख रुपये तक की कर राहत का प्रस्ताव होना चाहिए। उन्होंने कहा, आज शायद (यह) ऐसा लग रहा है कि हमने पूंजीगत संपत्ति निर्माण के बजाय उपभोग बढ़ाने पर जोर दिया है, पर पूंजीगत व्यय पर जोर हमेशा से ही हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है।

चालू वित्तीय वर्ष में प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान

2024-25 के संशोधित अनुमानों में 13.18 लाख करोड़ के मुकाबले प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ होने का अनुमान है। प्रभावी पूंजीगत व्यय में मुख्य पूंजीगत व्यय और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए राज्यों को दिया जाने वाला सहायता अनुदान शामिल हैं। हालांकि पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए सहायता अनुदान को बजट में राजस्व व्यय के रूप में शामिल किया जाता है, लेकिन वे राज्यों में पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण पर खर्च होते हैं। वित्त मंत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि लोगों का यह सोचना कि पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर उपभोग बढ़ाने पर जोर दिया गया है, यह सही नहीं है।'

1200 रुपये घटकर 88200 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंचा

सोना अपने ऑल टाइम हाई से फिसला

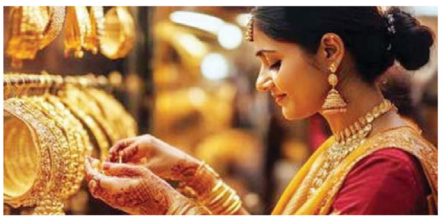

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतें अपने ऑल टाइम हाई से नीचे आ गईं। स्टॉकिस्टों और खुदरा विक्रेताओं की ताजा बिकवाली के कारण बहुमूल्य धातु का भाव 1,200 रुपये घटकर 88,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु 1,300 रुपये बढ़कर 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे आया और 1,200 रुपये की गिरावट के साथ 87,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों में पर बिकवाली का दबाव दिखा और सोमवार को इसकी कीमत 1,800 रुपये की गिरावट के साथ एक लाख रुपये के स्तर से नीचे 98,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। बाजार से जुड़े सूत्रों के अनुसार मौजूदा स्तर पर घरेलू हाजिर बाजार में आभूषण विक्रेताओं के साथ-साथ खुदरा विक्रेताओं की मांग कमजोर पड़ने से बहुमूल्य धातुओं की कीमतों पर असर पड़ा। हालांकि, एमसीएक्स पर वायदा कारोबार में अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 431 रुपये चढ़कर 85,118 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी वायदा भी 234 रुपये बढ़कर 95,820 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। वैश्विक बाजारों में अप्रैल डिलीवरी के लिए कॉमेक्स पर सोना वायदा 11.25 डॉलर प्रति औंस बढ़कर 2,911.95 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस बीच, कॉमेक्स में सोना हाजिर 0.49 प्रतिशत बढ़कर 2,896.68 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में गिरावट और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से सोने में सकारात्मक रुख के साथ कारोबार शुरू हुआ।

घोषणा मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच वार्ता से पहले की गई

अमेरिकी बॉर्बन व्हिस्की के आयात पर कस्टम ड्यूटी घटाई

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रोडक्ट बॉर्बन व्हिस्की के आयात पर केंद्र सरकार ने कस्टम ड्यूटी 150 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत कर दी है। अमेरिका, भारत को बॉर्बन व्हिस्की का प्रमुख निर्यातक है और भारत में आयात की जाने वाली इस श्रेणी की लगभग 25 प्रतिशत शराब अमेरिका से आती है।

यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच वार्ता से ठीक पहले 13 फरवरी को की गई। यह निर्णय अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत की तैयारी के तहत लिया गया है। हालांकि, अन्य विदेशी शराब पर कोई बदलाव नहीं किया गया है, और उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लागू रहेगा। व्हाइट हाउस में पीएम मोदी के साथ मुलाकात से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के ऊंचे टैरिफ पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने विशेष रूप से हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल का हवाला देते हुए भारत के आयात शुल्क को अधिक बताया था। इसके बाद रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने बॉर्बन व्हिस्की के कस्टम ड्यूटी में कटौती का नोटिफिकेशन जारी किया। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 25 लाख डॉलर मूल्य की बॉर्बन व्हिस्की का आयात किया था। इसके प्रमुख निर्यातक देशों में अमेरिका, यूएई, सिंगापुर और इटली शामिल हैं। भारत और अमेरिका ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर से अधिक करने का संकल्प लिया है। वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-नवंबर) में अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था।

इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार 82.52 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें 52.89 अरब डॉलर का निर्यात और 29.63 अरब डॉलर का आयात शामिल था। पिछले तीन वर्षों में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है। वर्ष 2023-24 में अमेरिका के साथ भारत का व्यापार 119.71 अरब डॉलर तक पहुंचा, जिसमें 77.51 अरब डॉलर का निर्यात और 42.19 अरब डॉलर का आयात शामिल था।

दुबई और अबू धाबी जैसे प्रमुख शहरों में भारतीयों के लिए रोजगार और निवास के नए अवसर मिलेंगे

यूएई ने खोले भारतीयों के लिए दरवाजे, वीजा ऑन अराइवल नीति का विस्तार

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भारतीय नागरिकों के लिए वीजा ऑन अराइवल नीति में बड़ा बदलाव किया है। अब छह नए देशों के वैध वीजा और रेजिडेंस परमिट धारक भारतीय भी इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे। जानकारी के अनुसार यह सुविधा 13 फरवरी, 2025 से प्रारंभ कर दी गई है। इसके तहत सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा के वैध दस्तावेज रखने वाले भारतीय पासपोर्ट धारकों को यूएई आने पर वीजा ऑन अराइवल मिलेगा।

यह सुविधा पहले केवल अमेरिका, यूरोपीय संघ और यूके के वैध वीजा या रेजिडेंस परमिट धारक भारतीयों को दी जाती थी। इस नीति के विस्तार से दुबई और अबू धाबी जैसे प्रमुख शहरों में भारतीयों के लिए रोजगार और निवास के नए अवसर मिलेंगे। इसके अलावा, यह फैसला यूएई को एक वैश्विक व्यापार और पर्यटन केंद्र के रूप में मजबूत करेगा। यूएई में वीजा ऑन अराइवल की पात्रता के लिए यात्री के पास कम से कम छह महीने की वैधता वाला भारतीय पासपोर्ट होना जरूरी होगा। उन्हें यूएई के नियमों के अनुसार वीजा शुल्क का भुगतान करना होगा।

वीजा शुल्क और अवधि- 14 दिन का वीजा - 100 दिरहम, भारतीय मुद्रा में 2,364 रुपये के करीब अतिरिक्त 14 दिन के लिए बढ़ाने की सुविधा - 250 दिरहम अर्थात 5,905 रुपये के करीब 60 दिन का वीजा - 250 दिरहम

यूएई को होगा आर्थिक और पर्यटन लाभ- यूएई की इमीग्रेशन, नागरिकता और सीमा सुरक्षा संस्था आईसीपी का कहना है कि यह नीति वैश्विक प्रतिभाओं और उद्यमियों को आकर्षित करने में मदद करेगी। इससे कुशल पेशेवरों के लिए यूएई में रोजगार और व्यवसाय के नए द्वार खुलेंगे।

भारत ने यूएई सहित कई देशों के साथ राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा मुक्त यात्रा समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे भारतीय अधिकारियों और राजनयिकों को 90 दिनों तक बिना वीजा के यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। यूएई का यह फैसला भारतीयों के लिए एक महत्वपूर्ण राहतभरा है और इससे दोनों देशों के बीच व्यापार और सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे।

बच्चों का फोन में डूबे रहना फोन एडिक्शन के लक्षणों में शामिल

नई दिल्ली। बच्चों के लिए मोबाइल अब सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि उनकी पढ़ाई, खेल और दोस्तों से संपर्क का मुख्य जरिया बन चुका है। जब बच्चों का मोबाइल का उपयोग जरूरत से ज्यादा बढ़ जाता है, तो यह एक गंभीर समस्या बन सकती है, जिसे फोन एडिक्शन कहा जाता है। फोन एडिक्शन का मतलब है, जब बच्चा बिना किसी जरूरी कारण के मोबाइल का उपयोग करता है और यह उसकी दैनिक आदत बन जाता है। फोन एडिक्शन के कई लक्षण होते हैं। एक मुख्य लक्षण यह है कि बच्चा जब मोबाइल का इस्तेमाल बंद करने के लिए कहा जाता है, तो वह गुस्से में आ जाता है या चिड़चिड़ा हो जाता है। इसके अलावा, अगर बच्चा पहले खेलकूद या शारीरिक गतिविधियों में रुचि रखता था, लेकिन अब वह सिर्फ मोबाइल पर समय बिताता है, तो यह भी फोन एडिक्शन का एक संकेत हो सकता है। इसके साथ ही, बच्चों का पढ़ाई पर ध्यान न देना, केवल मोबाइल के गेम्स, सोशल मीडिया या वीडियो में डूबे रहना भी फोन एडिक्शन के लक्षणों में शामिल है।

होम लोन पर ब्याज के खिलाफ एसआईपी का फॉर्मूला

» ब्याज के रूप में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए आप एसआईपी के 15 फीसदी फॉर्मूले का इस्तेमाल कर सकते हैं

मुंबई। आरबीआई के रेपो दर घटाने के बाद से कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। यह उन लोगों के लिए भी बड़ी राहत है, जो पहली बार मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं। अगर आप भी होम लोन लेकर मकान खरीदना चाहते हैं, तो तय करें कि किस ब्याज दर पर कितने साल के लिए कितना कर्ज लेना है।

इस बात की भी गणना करें कि ऋण अवधि के दौरान आपको अपने कर्ज पर कितना ब्याज चुकाना होगा। गणना करने पर यह समझ में आ जाएगा कि आप जितना कर्ज ले रहे हैं, उससे ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ेगा। ब्याज के रूप में होने वाले इस नुकसान की भरपाई के लिए आप एसआईपी के 15 फीसदी फॉर्मूले का इस्तेमाल कर सकते हैं। पूरी कर्ज अवधि के दौरान चुकाए जाने वाले ब्याज का बोझ कम करने में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का 15 फीसदी का फॉर्मूला काफी मददगार साबित हो सकता है। आप अपने होम लोन पर जितना ईएमआई चुकाते हैं, उसका 15 फीसदी हर महीने एसआईपी में डालना शुरू कर दें। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपके एसआईपी खाते में ब्याज राशि के बराबर या उससे ज्यादा रकम जमा हो जाएगी। मान लीजिए आपने एसआईपी में अपना मासिक योगदान बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दिया। सालाना 12 फीसदी के अनुमानित रिटर्न पर यह योगदान 20 साल में बढ़कर 69,94,035 रुपये हो जाएगा। इसमें 53,14,035 रुपये का अनुमानित रिटर्न भी शामिल है। इस तरह 20 साल बाद आपके एसआईपी खाते में कुल 69,94,035 रुपये जमा हो जाएंगे।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद, सेंसेक्स 57 , निफ्टी भी 30 अंक बढ़ा

गिरावट के बाद संभला बाजार, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों के बाजार में उत्साह

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। इसके साथ ही निचले स्तरों पर खरीदारी ने भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 57.65 अंक करीब 0.08 फीसदी ऊपर आकर 75,996.86 पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 30.25 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी ऊपर आकर 22,959 पर बंद हुआ।आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, अदानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, जोमैटो और टाटा मोटर्स ऊपर आकर हरे निशान पर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी के शेयर टूटकर लाल निशान पर बंद हुए। 2025 में अब तक विदेशी निवेशकों ने वैश्विक तनाव के कारण इस महीने के पहले दो हफ्तों में भारतीय बाजारों से 21,272 करोड़ रुपये निकाले। इससे पहले विदेशी निवेशकों ने जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे।

इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी बढ़त रही। इन स्टॉक्स में खरीदारी से निवेशकों की कंपनियों के सुस्त परिणामों और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के सेंटीमेंट को संतुलित किया है। निफ्टी मिडकैप100 आज 0.39 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी स्मॉलकैप100 इंडेक्स 0.04 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। एनएसई पर फार्मा, बैंक, फाइनेंशियल सर्विस, हेल्थकेयर, ओएमसी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल सेक्टर ऊंचे स्तर पर बंद हुए। ग्लेनमार्क फार्मा और अजंता फार्मा की अगुवाई में निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.27 फीसदी की बढ़त के साथ सेक्टरों में टॉप पर रहा। इस बीच, निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, आईटी और मीडिया इंडेक्स 0.71 फीसदी तक गिरकर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में तेजी के रुख के बाद भी भारतीय बाजारों की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स सोमवार को 300 अंक गिरकर 75,641.41 पर खुला। खुलने के कुछ ही देर में यह 75,294 अंक तक फिसल गया। सुबह यह 518 अंक गिरकर 75,421 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 22,809 अंक पर खुला।

सैकड़ों जगह आवेदन देने के बाद मिली नौकरी तो मात्र 10 मिनट में छोड़ी

लंदन। ब्रिटेन की रहने वाली 32 वर्षीय सोफी वॉर्ड ने ऑस्ट्रेलिया में नौकरी पाने के लिए सैकड़ों जगहों पर आवेदन किया। लंबे स्ट्रगल के बाद नौकरी मिली, तो महज 10 मिनट में ही उन्होंने वह नौकरी छोड़ दी । सोफी पिछले कुछ महीनों से ऑस्ट्रेलिया में नौकरी ढूंढ रही थीं। उन्होंने ग्रोसरी स्टोर्स, रिटेल शॉप्स, ऑफिस और कई अन्य क्षेत्रों में आवेदन किया था। कई बार उन्हें रिजेक्शन झेलना पड़ा और कहीं-कहीं इंटरव्यू के नाम पर धोखा भी मिला। आखिरकार, उन्हें एक चाइल्ड केयर सेंटर में नौकरी मिल गई। यह उनके लिए नया अनुभव था, लेकिन नौकरी मिलने की खुशी में उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया। सोफी जब पहले दिन काम पर पहुंचीं, तो जैसे ही उन्होंने चाइल्ड केयर सेंटर में कदम रखा, उन्हें एहसास हुआ कि यह उनके बस की बात नहीं है। सेंटर के एक कमरे में 10 छोटे बच्चे थे, जो जोर-जोर से चिल्ला रहे थे। कुछ रो रहे थे, तो कुछ इधर-उधर भाग रहे थे। यह माहौल देखकर सोफी परेशान हो गईं। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि बच्चों को कैसे संभालें। मुश्किल से 10 मिनट तक वहां टिकने के बाद वे सेंटर से भाग निकलीं। सोफी इतनी घबरा गई थीं कि वे अपना पास्ता का डिब्बा भी वहीं छोड़कर भाग गईं। उन्होंने दोबारा उसे लेने की भी हिम्मत नहीं की। उनके अनुसार, यह नौकरी उनके लिए बिल्कुल नहीं थी। उन्होंने कहा कि अब चाहे उन्हें घर लौटना पड़े, लेकिन वे कभी भी बच्चों को संभालने वाली नौकरी नहीं करेंगी। इस घटना के बाद सोफी ने अपनी कहानी सोशल मीडिया पर साझा की, जो तेजी से वायरल हो गई। कई लोगों ने इस पर प्रतिक्रिया दी। कुछ लोगों ने मजाक में कहा कि कम से कम पास्ता का डिब्बा तो ले जातीं, तो कुछ ने सहानुभूति जताते हुए कहा कि चाइल्ड केयर आसान काम नहीं होता और यह सबके बस की बात नहीं। कुछ यूजर्स ने उनकी हिम्मत की भी तारीफ की कि उन्होंने कम से कम इसे आजमाया तो सही।

संक्षिप्त समाचार

एफआईएच प्रो लीग : भारतीय महिला टीम स्पेन से 3-4 से हारी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम को मंगलवार को यहां एफआईएच प्रो लीग हॉकी प्रतियोगिता के रोमांचक मैच में स्पेन के हाथों 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। पहले क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। भारत ने दूसरे क्वार्टर में बलजीत कौर (19वें मिनट) के गोल की मदद से बढ़त बना ली थी लेकिन स्पेन ने दो मिनट बाद ही सोफिया रोगोरस्की (21वें मिनट) के गोल की मदद से बराबरी कर ली। बलजीत का यह सीनियर स्तर पर पहला गोल था। स्पेन ने भारतीय टीम पर दबाव बनाए रखा तथा दूसरे क्वार्टर में ही एस्टेल पेटचामे (25वें मिनट) के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में दबदबा बनाया। साक्षी राणा ने 38वें मिनट में बराबरी का गोल दागा जबकि रुताजा दादासो पिसल (45वें मिनट) के गोल की बदौलत उसने बढ़त हासिल कर ली। स्पेन ने हालांकि चौथे और अंतिम क्वार्टर में शानदार वापसी की तथा एस्टेल (49वें मिनट) और लुसिया जिमेनेज (52वें मिनट) के गोल की मदद से अपनी जीत सुनिश्चित की। स्पेन ने यह दोनों गोल पेनल्टी कार्नर पर किए। भारतीय महिला टीम अपने पिछले मैच में इंग्लैंड से हार गई थी।

मनु गंडास ने गुजरात ओपन गोल्फ चैंपियनशिप में बढ़त बनाई

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुरुग्राम के मनु गंडास ने मंगलवार को यहां एक करोड़ रुपये इनामी गुजरात ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दिन पांच अंडर 31 के शानदार स्कोर के साथ बढ़त बना ली। पिछले हफ्ते कोलकाता में पीजीटीआई सत्र का पहला खिताब जीतने वाले चंडीगढ़ के युवराज संधू और मऊ के ओम प्रकाश चार अंडर 32 के स्कोर से संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। करनाल के रोहित नरवाल और हैदराबाद के मोहम्मद अजहर तीन अंडर 33 के स्कोर से संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। गत चैंपियन अभिनव लोहान चार अंडर 32 के स्कोर से छठे पायदान पर हैं।

अमेरिका ने ओमान को हराकर सबसे कम स्कोर के बचाव का रिकॉर्ड बनाया

अल अमेरात (एजेंसी)। अमेरिका ने क्रिकेट विश्व लीग दो मैच में मंगलवार को यहां ओमान को 57 रन से हराकर पूरे 50 ओवर में एकदिवसीय मैच में 122 रन के सबसे कम स्कोर का बचाव करने का रिकॉर्ड बनाया। पुरुष एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में यह सबसे कम स्कोर है जिसका बचाव किया गया है। इसमें हालांकि कम ओवरों के मुकाबले या संशोधित लक्ष्य वाले मुकाबले शामिल नहीं हैं। अमेरिका ने स्पिन की अनुकूल परिस्थितियों में बाएं हाथ के स्पिनर नोशतुष केनजिगे (11 रन पर पांच विकेट) की फिरकी के जादू से मेजबान ओमान को सिर्फ 65 रन पर ढेर कर दिया। केनजिगे के अलावा आफ स्पिनर मिलिंद कुमार (17 रन पर दो विकेट) और यासिर मोहम्मद (10 रन पर दो विकेट) ने भी दो-दो विकेट चटकाए। यह ओमान का पुरुष एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूनतम स्कोर है। पूरे मैच के दौरान तेज गेंदबाजों ने एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं की। ओमान की टीम पांच स्पिनरों के साथ उतरी जबकि अमेरिका के स्पिनरों केनजिगे, मिलिंद, यासिर और हरमीत को उतारा। इससे पहले अमेरिका ने मिलिंद की 47 रन की पारी की बदौलत 35.3 ओवर में 122 रन बनाए।

अजहरुद्दीन के शतक से केरल ने गुजरात पर शिकंजा कसा

अहमदाबाद (एजेंसी)। मोहम्मद अजहरुद्दीन की नाबाद 149 रन की पारी की बदौलत केरल ने गुजरात के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन मंगलवार को सात विकेट पर 418 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। देश की शीर्ष घरेलू प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता में केरल की टीम कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई है। टीम ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 206 रन से की। कल 69 रन बनाकर खेल रहे कप्तान सचिन बेबी दूसरे दिन अपने स्कोर में कोई इजाफा नहीं कर पाए। उन्हें दिन की दूसरी ही गेंद पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरजान नागवासवाला ने आउट कर दिया। अजहरुद्दीन और सलमान निजार (202 गेंद में 52 रन) ने छठे विकेट के लिए 149 रन जोड़कर टीम का स्कोर 350 रन के पार पहुंचाया। तीसरे दिन केरल की नजरें अधिक से अधिक समय तक बल्लेबाजी करने पर टिकी होंगी जिससे कि सपाट पिच पर मेजबान टीम के खिलाफ पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की जा सके। दिन का खेल खत्म होने पर 30 रन बनाकर खेल रहे अजहरुद्दीन ने दूसरे दिन पूरे समय बल्लेबाजी की।

काउंटी चैंपियनशिप में एसेक्स की तरफ से खेलेंगे शार्दुल ठाकुर

लंदन (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर 2025 के सत्र की शुरू में एसेक्स की तरफ से काउंटी चैंपियनशिप के डिवीजन एक के सात मैचों में खेलेंगे। क्लब ने मंगलवार को यह घोषणा की। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने भारत की तरफ से 11 टेस्ट, 47 वनडे और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह पहली बार काउंटी चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। ठाकुर ने वर्तमान सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले महीने उन्होंने जम्मू कश्मीर के खिलाफ 51 और 119 रन बनाए थे जबकि मेघालय के खिलाफ 84 रन की तूफानी पारी खेली थी। उन्होंने मेघालय के खिलाफ हैट्रिक भी बनाई थी। ठाकुर ने एसेक्स की वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, ''मैं अगले सत्र में एसेक्स की तरफ से खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इससे मुझे नयी चुनौतियों का सामना करने तथा अपनी प्रतिभा और कौशल को दिखाने का मौका मिलेगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में आज खेला जाएगा पहला मैच, न्यूजीलैंड का सामना करेगी पाकिस्तान

न्यूजीलैंड ने हाल ही में त्रिकोणीय सीरीज में पाकिस्तान को हराया था

करांची (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का पहला मैच बुधवार को कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होगा। दोनो ही टीमें इस मैच में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेंगी। न्यूजीलैंड ने हाल ही में त्रिकोणीय सीरीज में पाक को हराया था, ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। वहीं पाक को मेजबान होने के कारण घरलू हालातों का लाभ मिलेगा। शुरुआत मैच होने के कारण दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें इसपर रहेंगी। कराची के नेशनल स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रहती है, ऐसे में इस मैच में बड़े स्कोर बनने की पूरी उम्मीद है। इस मैदान पर खेले गए 78 एकदिवसीय मैचों में से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम 36 बार जीती है जबकि बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम 39 बार जीती है। दूसरी पारी में इस विकेट पर स्पिनर्स को कुछ सहायता मिली सकती है। कराची में दिन के कुछ समय के लिए बादल छाए रहने के साथ धूप रहने का अनुमान है लेकिन मौसम खेल के लिए अनुकूल रहेगा।

दोनों टीमों की संभावित अंतिम 11

पाकिस्तान- मोहम्मद रिजवान (कप्तान), फखर जमान, सऊद शकील, बाबर आजम, सलमान आगा, खुशदिल शाह, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ, अबरार अहमद

न्यूजीलैंड- मिचेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, विल यंग, केन विलियमसन, डेरिल मिशेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ, जैकब डफी, विलियम ओरूर्कझ

सीएसके के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेलेंगे पांड्या

पांड्या पर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पांड्या हालांकि इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण उन पर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई की कप्तानी करते दिख सकते हैं। मुंबई इंडियंस का पिछले सत्र में प्रदर्शन काफी खराब रहा था। तब हार्दिक पांड्या पर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हुए अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के बाद धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था और इसी कारण आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के पहले मैच से भी निलंबित कर दिए गए थे। सीजन में तीसरी बार मुम्बई ओवर गति से पीछे रहा, जिसके कारण उनके कप्तान पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया। यही वजह है कि वह इस बार पहले मैच में हार्दिक खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि उनकी जगह टीम की कमान किसे मिलेगी, इसके बारे में फ्रेंचाइजी ने अभी घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव हार्दिक की जगह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टी20 टीम के कप्तान भी हैं। सीसीआई ने रविवार आईपीएल के 18वें सीजन का शेड्यूल जारी किया। बीसीसीआई के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में 13 स्थानों पर कुल 74 मैच खेले जायेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का आगाज ईडन गार्डस में 22 मार्च को गतविजेता कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुकाबले से होगा।

बीसीसीआई ने दी राहत, अब चैम्पियंस ट्रॉफी में एक मैच के लिए अपने परिवार को बुला सकेंगे खिलाड़ी

बीसीसीआई ने ये नियम इसलिए बनाया था ताकि खिलाड़ी खेल पर ही ध्यान केन्द्रित कर सकें

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का एक मैच देखने के लिए भारतीय खिलाड़ियों का परिवार दुबई जा सकता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद कहा था कि लंबे दौरे में ही खिलाड़ियों का परिवार कुछ समय के लिए ही उनके साथ रह सकता है। बीसीसीसी ने ये नियम इसलिए बनाया था ताकि खिलाड़ी खेल पर ही ध्यान केन्द्रित कर सकें। इसी कारण चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए दुबई गयी भारतीय टीम के किसी भी खिलाड़ी के साथ परिवार नहीं था। वहीं अब बीसीसीआई ने लचीला रुख अपनाते हुए कहा है कि खिलाड़ी एक मैच के लिए अपने परिवार को अपने साथ रख सकेंगे। अभी तक कहा जा रहा था कि चैम्पियंस ट्रॉफी छोटा टूर्नामेंट है। ऐसे में परिवार को खिलाड़ियों के साथ रहने और वीवीआईपी बॉक्स से मैच देखने की अनुमति नहीं होगी! वहीं अब एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई ने केवल एक मैच के लिए परिवार को साथ रखने और मैच देखने की अनुमति दी है। हाल ही में टीम मैनेजमेंट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया से मुलाकात की थी और उस बैठक के बाद ही ये तय हुआ था कि है कि खिलाड़ी एक मैच के लिए अपने परिवार को दुबई बुला सकते हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि खिलाड़ी को बोर्ड को बताना होगा कि किस मैच के लिए वे अपने परिवार को बुला रहे हैं, क्योंकि इसमें पारदर्शिता होनी चाहिए। बोर्ड की अनुमति के बाद ही खिलाड़ियों को परिवार को साथ रखने की अनुमति दी जाएगी।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के लिए तैयार की गयीं नई पिचें

भारतीय टीम अपने तीनो लीग मैच दुबई में ही खेलेगी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के दुबई पहुंचते ही पिचें बदल दी गयी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत को खराब पिचें नहीं मिलेंगी। भारतीय टीम अपने तीनो लीग मैच दुबई में ही खेलेगी। इसी को देते हुए भारत के लीग मैचों के लिए दो नई पिचें तैयार रखी गई हैं। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। इसके बाद 23 फरवरी को उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। वहीं 2 मार्च को उसे न्यूजीलैंड से ग्रुप स्तर का मुकाबला खेलना है। तीनों मुकाबले दुबई में होंगे। यहां पिछले एक महीने में पुरुष अंडर-19 एशिया कप और जनवरी-फरवरी में आईएलटी 20 लीग हुआ है। इसी को देखते हुए आशंका जाहिर की जा रही थी कि भारत को खराब पिचें मिलेंगी पर ऐसा नहीं है। आईएलटी 20 0 के दौरान इस मैदान पर दो नॉकआउट खेलों सहित 15 मैच हुए। वहीं कहा जा रहा है कि स्टेडियम की दस पिचों में से दो को लीग के दौरान इस्तेमाल नहीं किया गया। ताकि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहे। नई पिचें बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मददगार साबित होंगी। दुबई की पिच ऐतिहासिक रूप से तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल रही है।

बुमराह के नहीं होने से बांग्लादेश के पास जीत हासिल करने का अवसर : कायेस

इस बार भारत में बुमराह के नहीं होने से उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज इमरूल कायेस को उम्मीद है कि इस बार भारतीय टीम में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है।

कायेस का मानना है कि ऐसे में उनकी टीम के पास 20 फरवरी को होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी मैच में जीत हासिल करने का अच्छा मौका है। कायेस के अनुसार इस मैच में बांग्लादेश बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बना सकते हैं। कायेस ने कहा कि भारतीय टीम काफी मजबूत है और उसके पास बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण और बल्लेबाजी क्रम है पर इस बार बुमराह टीम में नहीं है। हम सभी को पता है कि पिछले दो साल में उसने भारतीय क्रिकेट के लिये क्या किया है। उसकी गैर मौजूदगी से बांग्लादेश को लाभ मिलेगा। बुमराह की गैर मौजूदगी में मोहम्मद शमी के पास भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान होगी जिसमें हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं। कायेस ने कहा, 'शमी की वापसी बड़ी बात है पर वह इस समय फिटनेस समस्या से जूझ रहा है हालांकि लय हासिल करने पर वह बांग्लादेश के लिये खतरनाक साबित हो सकता है। बांग्लादेश टीम में इस बार अनुभवी हरफनमौला शाकिब अल हसन और विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास नहीं हैं। कायेस ने कहा, 'मुझे शाकिब की कमी खलेगी क्योंकि वह शानदार खिलाड़ी है। किसी भी मैच में उसका योगदान काफी रहता है।

पहली बार सेपक टाकरा विश्वकप की मेजबानी करने जा रहा बिहार, 24 देशों की टीमें लेंगी भाग

विश्वकप अगले माह 20 से 25 मार्च तक पटना के पाटलीपुत्र खेल परिसर में आयोजित किया जाएगा

पटना (एजेंसी)। बिहार पहली बार 'सेपक टाकरा विश्वकप की मेजबानी करने जा रहा है। ये विश्वकप अगले माह 20 से 25 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इसमें 24 देशों की टीमें लेंगी। पटना के पाटलीपुत्र खेल परिसर में इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन होगा है। इस आयोजन को लेकर सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एक करार भी हुआ है। हार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि सेपक टाकरा वर्ल्ड कप का आयोजन बिहार में पहली बार हो रहा है यह बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है और यह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। बिहार को इस प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर देने के लिए सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया का हम आभार जताते हैं। साथ ही इसके सफल आयोजन का भरोसा देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सेपक टकरा वॉलीबॉल, जिम्नास्ट, फुटबॉल और बैडमिंटन का मिलाजुला रुप है। इसे जब खेलते हैं तब गेंद को पैरों से मारते हैं। हाथों का इस्तेमाल नहीं करना होता है। साथ ही जिम्नास्ट की तरह जम्प मारना होता है।

सेपक टाकरा विश्वकप में शामिल होने वाले संभावित देश जापान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, ईरान, वियतनाम, भारत, ब्राजील, पोलैंड, फ्रांस, नेपाल, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, अमेरिका, सिंगापुर, चीन, स्विट्जरलैंड, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, ब्रूनेई, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, चीनी ताइपे, इटली और लाओस शामिल हैं। इनमें से श्रीलंका, अमेरिका, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई तथा इटली केवल पुरुष प्रतिस्पर्धा में शामिल होंगे। वहीं बाकी देश महिला और पुरुष दोनों वर्ग में भाग लेंगे।

भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी : क्लार्क

रोहित शानदार शतक लगाने के साथ ही फार्म में आ गये हैं

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी। क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में शानदार शतक लगाने के साथ ही फार्म में आ गये हैं और वह इस सीरीज में सबसे अधिक रन बनाएंगे। भारतीय टीम को हालांकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम से बाहर होने के कारण ट्रॉफी का कमजोर दावेदार माना जा रहा है पर क्लार्क इससे सहमत नहीं हैं। क्लार्क का मानना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान और दुबई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब को जीतने में कामयाब होगी। इस पूर्व बल्लेबाज ने ये भी कहा है कि रोहित टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 3-0 से हराया था जिससे वह आत्मविश्वास से भरी हुई नजर आ रही है। रोहित ने इस दौरान कटक में खेले गए मैच में 90 गेंद में 119 रन की आक्रामक पारी खेली थी।

आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी में हेड, शुभमन गिल सहित बल्लेबाज निभा सकते हैं अहम भूमिका

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के मुकाबले आज से शुरु, पाकिस्तान सहित 8 टीमें ले रही भाग

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के मुकाबले बुधवार से शुरु हो रहे हैं। इसमें मेजबान पाकिस्तान सहित 8 टीमें भाग ले रही हैं। इस बार ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, भारत के जसप्रीत बुमराह सहित कई टीमों के प्रमुख खिलाड़ी चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में चैम्पियंस ट्रॉफी में ट्रेविस हेड , शुभमन गिल सहित ये खिलाड़ी अंतर पैदा कर सकते हैं।

ट्रेविस हेड - ऑस्ट्रेलिया के हेड एक मैच जिताने खिलाड़ी हैं। अपनी बल्लेबाजी से वह अभी भी यह खेल का रुख मोड़ देते हैं। पिछले कुछ साल इस बल्लेबाज को काफी सफलता मिली है और वह इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेंगे। उन्होंने पिछले कुछ समय से नॉक आउट मुकाबलों में भारत को काफी परेशान किया है और ऐसे में बल्लेबाजी की अनुकूल पिचों पर हेड एक बार फिर गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने में पीछे नहीं रहेंगे।

शुभमन गिल - एकदिवसीय प्रारूप में 60 की शानदार औसत और 101 से अधिक के शानदार स्ट्राइक रेट के साथ सात शतक और 15 अर्धशतक लगाने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन ने 50 एकदिवसीय मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यह ऐसा प्रारूप है जिसमें वह जिम्मेदारी उठाने वाले खिलाड़ी हो सकते हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट में उनके पास बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी क्षमताओं को दिखाने का अवसर है।

फखर जमा - पाकिस्तान के फखर जमां ने पिछले चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम के हाथों में आया खिताब छीन लिया था। वह एक भरोसेमंद बल्लेबाज होने के साथ ही आक्रामक शॉट भी खेलने में माहिर है।

डेवोन कॉनवे - न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे कॉनवे का एकदिवसीय करियर अधिक बड़ा नहीं है। उन्होंने अब तक केवल 33 मैच खेले हैं लेकिन इतने कम समय में ही उन्होंने कई मैच जिताने पारियां खेली हैं। वे स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाज हैं और पाकिस्तान हो या दुबई, टी20 लीग क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के कारण वह हर जगह के हालातों में ढ़ल जाते हैं।

हेनरिक क्लासेन - दक्षिण अफ्रीका के क्लासेन चाहे टी20 हो या एकदिवसीय किसी भी प्रकार के मैच का रुख बदल देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पति की प्रताड़ना से तंग आकर पत्नी ने खाया जहर

भोपाल। शहर के ऐशबाग थाना इलाके में पति की हरकतों से तंग आकर नव विवाहिता पत्नि ने जहर खा लिया। आत्महतय की कोशिश करने वाली महिला की हालत करीब तीन सप्ताह बाद बेहतर होने पर उसने पति की सारी करतूते बताई, जिसके बाद पुलिस ने पति के खिलाफ मामला कायम कर लिया है। थाना पुलिस के अनुसार ऐशबाग थाना क्षेत्र में रहने वाली 20 वर्षीय पीड़िता का ससुराल और मायका आस-पास ही है। उसकी शादी साल 2022 में हुई थी। आरोपी पति ऑटो चलाने के साथ ही पार्ट टाईम वाशिंग यार्ड पर भी काम करता है। आरोप है कि पति के कई महिलाओ से संबध है, इसकी जानकारी शादी के बाद लगने पर पीड़िता ने पति की हरकतों का विरोध किया। जब आरोपी पति उसके साथ मारपीट करते हुए शारीरिक और मानसिक रुप से प्रताड़ित करने लगा। बताया गया है की बीती 25 जनवरी को महिला ने पति को रंगे हाथ पकड़ लिया था। जिसके बाद उनके बीच जमकर विवाद हुआ और गुस्साई पत्नि ने जहरीला पर्दाथ खा लिया।

अचानक स्लिप हुई बाइक, चला रहे युवक की मौत

भोपाल। बैरागढ़ थाना इलाके में स्थित रेलवे स्टेशन के पास बीती दोपहर तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर स्लिप हो गई। घटना के समय बाइक पर दो युवक सवार थे, जिनमें एक की मौत हो गई, वहीं दूसरे को मामूली चोट आई है। थाना पुलिस ने बताया कि थ्री ईएमई सेंटर में रहने वाला अभिषेक सिलावट पिता ओमदीप सिलावट (22) निजी काम करता था। उसके पिता थ्री ईएमई सेंटर में प्राइवेट माली का काम करते हैं। बीती दोपहर अभिषेक अपने दोस्त के साथ बाइक से निकला था, बाइक अभिषेक चला रहा था। करीब 12 बजे बैरागढ़ स्थित जाट एरिया के पास उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर स्लिप हो गई। हादसे में दोनो चलती बाइक सहित सड़क पर गिर गये। अभिषेक बाइक के साथ घिसट गया जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी।

वहीं उसके साथ बाइक पर सवार दोस्त को गंभीर चोट नहीं आई है। उसका दोस्त आसपास के लोगों की मदद से उसे इलाज के लिये चिरायु अस्पताल लेकर पहुंचा था। जहॉ डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिये हमीदिया स्थित मर्चुरी भेज दिया। मंगलवार को पीएम के बाद शव परिवार वालो को सौंप दिया। पुलिस हादसे में आगे की जॉच कर रही है।

कलेक्टर सिंह ने जीआईएस तैयारियों की समीक्षा बैठक की

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की प्रगति की समीक्षा की गई और उन्हें समय - सीमा के भीतर समस्त तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर की जा रही तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। स्टेट हेंगर, एयरपोर्ट, वीवीआईपी सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आयोजन स्थल की व्यवस्थाएं, साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण, अतिथियों के ठहरने और स्वागत से जुड़ी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने नगर निगम, पुलिस प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, स्मार्ट सिटी प्रबंधन एवं अन्य विभागों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री जी के आगमन और समिट के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने एयरपोर्ट राज भवन एवं आयोजन स्थल तक यातायात के सुचारू संचालन, पार्किंग आदि को उच्च स्तर पर बनाए रखने के निर्देश दिए।

कूनो नेशनल पार्क में चीता मित्र सम्मेलन

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क श्योपुर में सेसईपुरा में चीता मित्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में 100 चीता मित्र शामिल हुए। चीता मित्रों से वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने चर्चा की। चीता मित्रों द्वारा परियोजना से जुड़े अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किये। सम्मेलन में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, आईजी-एनटीसीए, क्षेत्रीय निदेशक और टाइगर रिजर्व के उप निदेशक उपस्थित थे। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका से चीता पुन: प्रवेश के दो सफल वर्षों की पूर्णता के अवसर पर 17-18 फरवरी, 2025 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में चीता प्रोजेक्ट की परिचयात्मक प्रस्तुति और परियोजना के तहत किये गये कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया गया।

बोर्ड परीक्षाओं के समय साइबर फ्रॉड गैंग सक्रिय, साइबर क्राइम ने जारी की चेतावनी, होगी सख्त कार्रवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं से पहले साइबर फ्रॉड गैंग एक्टिव हो गए हैं। टेलीग्राम पर इस बार फिर बच्चों के साथ ठगी का सिलसिला शुरू हो गया है। टेलीग्राम में कई ग्रुप पर दावा किया जा रहा है कि बोर्ड परीक्षा से पहले सुबह उन्हें ओरिजिनल पेपर दे दिया जाएगा, वहीं कई अन्य ग्रुप पर फीस देकर 80 प्रतिशत सवाल सही मिलने का दावा किया जा रहा है। इसे लेकर साइबर क्राइम ब्रांच ने एक एडवाइजरी जारी की है। छात्रों और नागरिकों को टेलीग्राम समूहों पर बिकने वाले फर्जी पेपरों से बचने की चेतावनी दी गई है।

क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने वीडियो जारी कर कहा है कि परीक्षा के समय साइबर फ्रॉड गैंग सक्रिय हो जाता है। टेलीग्राम ग्रुप्स के माध्यम से नकली प्रश्न पत्र बेचकर बड़ी रकम की ठगी करते हैं। इन ग्रुप्स में हजारों लोग जुड़े होते हैं, जिनमें कई छात्र भी शामिल होते हैं। ऐसे लोगों से छात्रों को बचाना चाहिए।

छात्रों का कैरियर लग सकता है दांव पर

साइबर क्राइम अधिकारियों का कहना है कि टेलीग्राम ग्रुप्स में जुड़कर पेपर खरीदना न केवल परीक्षा में फेल होने का खतरा बढ़ा सकता है, बल्कि छात्रों का करियर भी दांव पर लग सकता है।

धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। भोपाल साइबर क्राइम के पास कई शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें टेलीग्राम ग्रुप्स के जरिए फर्जी पेपर बेचने की जानकारी सामने आई है।

पिछले साल भी इस तरह की शिकायतों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। अब टेलीग्राम से संबंधित ग्रुप्स की जानकारी मांगी जा रही है, ताकि उन पर सख्त कार्रवाई की जा सके। साइबर टीम ने टेलीग्राम पर पांच एक्टिव ग्रुप्स के खिलाफ स्न्ढ्ढक्र भी दर्ज की है।

छात्र अपनी पढ़ाई पर दें ध्यान

साइबर क्राइम अधिकारियों ने छात्रों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें और किसी भी फर्जी टेलीग्राम ग्रुप से न जुड़ें। ऐसा करने से न केवल वे धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं, बल्कि उनके भविष्य पर भी खतरा मंडरा सकता है। यदि कोई व्यक्ति इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार होता है या ऐसे ग्रुप्स की जानकारी रखता है, तो उसे तुरंत साइबर क्राइम विभाग में शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

इस तरह किया जा रहा गुमराह

टेलीग्राम में कई ग्रुप पर दावा किया जा रहा है कि बोर्ड परीक्षा से पहले सुबह उन्हें ओरिजिनल पेपर दे दिया जाएगा, वहीं कई अन्य ग्रुप पर फीस देकर 80 प्रतिशत सवाल सही मिलने का दावा किया जा रहा है। एपमबी बोर्ड पेपर लीक ग्रुप पर पहले ग्रुप ज्वाइन करने के लिए 350 फीस ली जा रही है। हमने एक प्राइवेट ग्रुप बनाया है जिसमें कहा गया कि आप अपनी परीक्षा से संबंधित टॉप 35 प्रश्न देंगे और कुछ टॉप 50 प्रश्न देंगे, जिनमें से 70-80त्न आपके पेपर में आएंगे। हमारे ग्रुप में शामिल होने की फीस 350 रुपए है। यदि आप हमारे समूह में शामिल होना चाहते हैं, तो आप हमें नीचे दिए गए उपयोग कर्ता नाम में संदेश भेज सकते हैं और हमें बता सकते हैं हम आपको क्यूआर या यूपीआई देंगे, भुगतान करने और हमें स्क्रीनशॉट्स देने के बाद, हम आपको इसमें जोड़ देंगे, जिसके बाद पर्सनली बात करने पर युवक ने असली पेपर देने का वादा 350 रुपए में किया।

किसान ने जालसाजी कर एक ही जमीन दो लोगो को बेची

पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद दर्ज किया मामला

भोपाल। शहर के खजूरी सड़क इलाके में किसान द्वारा जमीन बेचने के नाम पर जालसाजी किये जाने का मामला सामने आया है। आरोप है की किसान ने जमीन का सौदा प्रॉपर्टी ब्रोकर करते हुए एग्रीमेंट कर लिया था। इसके बाद भी उसने चालाकी करते हुए यही जमीन कीरब 75 लाख में दूसरे को भी बेच दी।

जानकारी लगने पर फरियादी ने इसकी शिकायत पुलिस से की, लेकिन, कोई कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट में गुहार लगाई जिसके आदेश पर थाना पुलिस ने किसान के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज किया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित आम वाली मस्जिद के पास रहने वाले मोहम्मद इब्राहिम हुसैन पिता इकबाल हुसैन ने बताया की वह प्रोग्रेसिव डेवकॉन मल्टी ट्रेड प्रायवेट लिमिटेड नाम से प्रॉपर्टी ब्रोकर का काम करते हैं।

उन्होंने खजूरी सड़क स्थित फंदा के पास 0.75 एकड़ जमीन खरीदने का सौदा 1 मई, 2019 को जमीन के मालिक किसान मुन्नालाल मेवाड़ा से किया थी। सौदा 20 लाख 25 हजार रुपए में तय हुआ,बातचीत तय होने पर इब्राहिम हुसैन और मुन्नालाल मेवाड़ा की सहमति से दोनो के बीच एग्रीमेंट तैयार हुआ।

जमीन मालिक मुन्नालाल मेवाड़ा ने उस समय 25 हजार रुपए एंडवास लिये और बाकी रकम 36 महीने से 60 महीने के बीच दिये जाना तय हुआ था। इस अनुबंध के आधार पर फरियादी इब्राहिम हुसैन ने 2021 तक चार लाख 76 हजार रूपए की रकम का भुगतान चैक और नकद देकर कर दिया। एग्रीमेंट साल 2024 तक के लिए प्रभावी था। लेकिन इसके बाद भी साल 2022 में किसान मुन्नालाल मेवाड़ा ने यही जमीन साहब खान को बेच दी। इसकी जानकारी लगने पर फरियादी का मुन्ना लाल मेवाड़ा से विवाद हुआ।

बाद में तीनों पक्षो ने एक साथ बैठकर विवाद का हल निकालने का प्रयास किया। लेकिन कोई हल न निकलने पर फरियादी इब्राहिम हुसैन ने साल 2023 में थाना पुलिस से लिखित शिकायत कर दी।

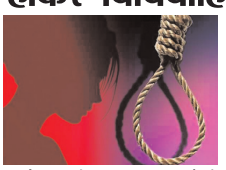

पति की दहेज प्रताड़ना से परेशान होकर नवविवाहिता ने लगाई फांसी

भोपाल। छोला मंदिर थाना इलाके में शादी के थोड़े समय बाद ही नवविवाहिता द्वारा फांसी लगाकर खुदकुशी किये जाने के मामले में पुलिस ने उसके पति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

घटना लगभग साढ़े तीन महीने पहले की है, पुलिस जॉच में सामने आया की आरोपी पति सौरभ अहिरवार शादी के बाद से ही मायके से डेढ़ लाख की रकम और बाइक लाने की मांग करते हुए उसे प्रताड़ित कर रहा था। पुलिस ने बताया की अंजली अहिरवार (19) मूल रूप से सागर जिले की रहने वाली थी। उसकी शादी मेहनत-मजदूरी का काम करने वाले सौरभ अहिरवार निवासी छोला मंदिर स्थित प्रीत नगर से साल 2023 में हुई थी। अंजलि ने 30 अक्टूबर 2024 को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामला नवविवाहिता से जुड़ा होने के चलते इसकी जांच एसीपी निशातपुरा संभाग रिचा जैन ने की थी।

पुलिस जांच में सामने आया की आरोपी पति सौरभ अहिरवार अंजलि को शादी के बाद से ही मायके से डेढ़ लाख की नगदी और बाइक लेकर आने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगा था। इसकी जानकारी मृतका ने अपने परिवार को भी दी थी।

परिचित की प्रताड़ना से तंग आकर कॉलेज छात्रा ने दी थी जान

आरोपी बना रहा शादी करने का दबाव, निजी फोटो परिजनों को भेजने दे रहा था धमकी

भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने युवती द्वारा करीब एक महीने पहले टॉयलेट क्लीनर पीकर आत्महत्या करने के मामले में युवती के परिचित युवक के खिलाफ आत्महत्या करने के लिए उकसाने का मामला कायम किया है।

आरोपी युवक उस पर शादी करने का दबाव बना रहा था, युवती के इंकार करने पर वह उसके निजी फोटो परिजनों को भेजने की धमकी देने लगा। उसकी प्रताड़ना से तंग आकर ही युवती ने जहर पीकर जान दे दी थी। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तुलसी नगर में रहने वाली कीर्ति खरे पुत्री श्याम सिंह खरे (26) रीजनल कॉलेज में एमएड की पढ़ाई कर रही थीं। उसके पिता नवीन कन्या स्कूल में टीचर हैं। परिवार में एक भाई है, जिसकी शादी हो चुकी है। बीते साल 22 दिसंबर 2024 को उसने घर में रखा टॉयलेट क्लीनर पी लिया था। गंभीर हालत में परिजन उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान 8 जनवरी को उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मर्ग कायम कर कारणों की जांच शुरू की। छानबीन के दौरान युवती के परिजनों के बयान दर्ज करने के साथ ही उसके मोबाइल की सीडीआर निकलवाई गई। कीर्ति खरे के मोबाइल और उसके सोशल मीडिया के चैट को जांच के लिए भेजा गया।

जांच में पता चला कि बीते करीब तीन सालो से उसके गांव का ही रहने वाला आरोपी मनीष भास्कर उसे काफी परेशान कर रहा था। आरोपी उस पर शादी करने के लिए दबाव बना रहा था। लेकिन कीर्ति उससे शादी करना नहीं चाहती थी। मना करने पर आरोपी छात्रा को धमकाता था, कि यदि उसने उसके साथ शादी नहीं की तो वह उसकी पुरानी निजी तस्वीरें वायरल कर उसे और उसके परिवार को समाज में बदनाम कर देगा। उससे तंग आकर ही 22 दिसंबर को छात्रा ने आत्महत्या करने के लिये टॉयलेट क्लीनर पी लिया था।

मैनिट में छात्रों के बीच आधी रात हुआ हंगामा मामला शांत करने में पुलिस के छूटे पसीने

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित मौलाना आज़ाद नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मे आए दिन मारपीट की घटनाएं होती रहती है। एक बार फिर एक घटना सामने आई है जिसमें पुलिस को भी काफी मशक्कत करनी पड़ गई। दरअसल मैनिट कैंपस में रविवार रात करीब 11:30 बजे फर्स्ट ईयर और सेकेंड ईयर के हॉस्टल के छात्रों के बीच विवाद बढ़ने पर मामला उग्र हो गया, जिसके चलते मैनेजमेंट को पुलिस बुलानी पड़ी थी।

अब घटना के कुछ नए वीडियोज सामने आए हैं, जिसमें दिखाई दे रहा है कि बड़ी संख्या में छात्र इकठ्ठा हुए थे और पुलिस के खदेड़ने के बाद किस

तरह से यहां अफरा तफरीह मची। मिली जानकारी के अनुसार कैंपस में स्थिति संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। पुलिस के अनुसार, यह विवाद गाड़ी से टक्कर के बाद शुरू हुआ, जिसमें कई छात्र घायल हो गए। वहीं, कुछ छात्रों ने पुलिस पर उनकी बात न सुनने और बदसलूकी करने के आरोप भी लगाए हैं।

यह था पूरा मामला

कमला नगर थाना प्रभारी निरूपा पांडे ने बताया कि रविवार देर रात सेकेंड ईयर के कुछ छात्र मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी उनकी बाइक एक फर्स्ट ईयर के छात्र से टकरा गई। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया, जो जल्द ही बढ़ गया। इसकी सूचना मिलते ही MANIT प्रबंधन ने पुलिस को बुलाया। हमारी टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया। जानकारी के मुताबिक, फर्स्ट ईयर और सेकेंड ईयर के छात्रों के बीच पहले से ही तनाव चल रहा था। घटना के बाद बड़ी संख्या में दोनों हॉस्टल के छात्र बिल्डिंग के बाहर इकट्ठा हो गए और बहस शुरू हो गई। स्थिति बिगड़ती देख मैनेजमेंट ने पुलिस को बुलाया।पुलिस के कैंपस पहुंचते ही सबसे पहले हॉस्टल्स की चेकिंग शुरू की गई और छात्रों को वापस हॉस्टल भेजने का प्रयास किया गया।

पुलिस बल पहले से था मौजूद

मैनिट के पीआरओ राहुल तिवारी ने बताया कि, रविवार को संस्थान में 'ई-समिट' कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके लिए पहले से ही पुलिस और दमकल विभाग को बुलाया गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र भी मौजूद थे। इसी बीच फर्स्ट ईयर और सेकेंड ईयर के छात्रों के बीच झगड़ा हो गया। स्थिति बिगड़ते देख हमने तुरंत फर्स्ट ईयर के छात्रों को हॉस्टल भेजा। हालांकि, सेकेंड ईयर के छात्र वापस अंदर जाने को तैयार नहीं थे। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस की मदद ली गई और बल प्रयोग कर छात्रों को हॉस्टल भेजा गया।

जीआई समिट में आने वाले मेहमानों के लिए बनाई जा रही टेंट सिटी

60 प्रतिशत काम पूरा, रहेगी फाइव स्टार की सुविधा

भोपाल। राजधानी भोपाल में 24 और 25 फरवरी को होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (जीआईएस) को लेकर तैयारियां जोरों पर है। मेहमानों के लिए भोपाल के कलिया सोत डेम पास 108 टेंट सिटी बन रही है। इनमें 5 स्टार होटल्स जैसी सारी सुविधाएं रहेंगी। एयर कंडिशनर से लेकर डबल बेड, लाइटिंग, वॉक के लिए बागीचा रहेगा, ताकि वे प्रकृति को करीब से जान सकेंगे।

कलियासोत ग्राउंड के ठीक पीछे डैम और आसपास हरियाली का आकर्षक नजारा दिखाई देता है। टेंट सिटी को बना रहे कंपनी का दावा है कि करीब 60 से 70त्न काम पूरा हो गया है। 22 फरवरी के पहले इसे पूरी तरह तैयार कर दिया जाएगा। 11 फरवरी से टेंट सिटी तैयार हो रही है। राजस्थान की एक फर्म टेंट सिटी तैयार कर रही है। कंपनी के चक्रवर्ती सिंह ने बताया कि, डेढ़ सौ से ज्यादा कारीगर और मजदूर टेंट सिटी बनाने में लगे हैं। इनमें ग्राफिक्स, पार्क, टेंट आदि काम वे कर रहे हैं। कलाकार जयपुर, मुंबई और भोपाल के हैं।

होटल जैसी लग्जरी सुविधाएं मिलेंगी

टेंट सिटी में होटल जैसी लग्जरी सुविधाएं ही रहेंगी। अंदर डबल बेड, एयर कंडिशन रहेगा तो बाहर सिक्योरिटी के इंतजाम और डॉक्टरों की टीम 24 घंटे मौजूद रहेगी। 3 दिन के लिए ये टेंट सिटी बनेगी। इनमें विदेशी मेहमान ही रुकेंगे। ताकि, वे प्रकृति भरे माहौल में रहे। टेंट सिटी से समिट स्थल तक लाने ले जाने के लिए गाड़ियां मौजूद रहेंगी।

एमपीटी के देखरेख में बन रही टेंट सिटी

दरअसल पहले दो टेंट सिटी कलियासोत और केरवा डैम किनारे बनाने पर मंथन चल रहा था। ताकि, मेहमान प्रकृति के नजारे भी देख सकें, लेकिन बाद में पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद कॉलेज के पास कलियासोत ग्राउंड को ही तय कर लिया गया। यही पर सभी 108 टेंट की बड़ी सिटी बनाई जा रही है। मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम की देखरेख में टेंट सिटी बनकर कम्प्लीट हो रही है।

देश-विदेश के 32 हजार मेहमान आएंगे

जीआईएस में देश-विदेश से करीब 32 हजार मेहमान आएंगे। इनमें देश-विदेश के बड़े उद्योगपति जैसे- अंबानी, अडाणी, टाटा, बिरला, महिंद्रा भी शामिल हैं। इनके लिए खास इंतजाम किए जा रहे हैं। 2 से 5 स्टार रेटिंग वाले होटलों में 1 लाख रुपए तक के रूम बुक हो चुके हैं। सदर मंजिल में भी मेहमानों को रुकवाया जाएगा।

बीज संघ के उत्पाद नये ब्रॉन्ड नेम और आकर्षक 'लोगो' के साथ करें विक्रय

सहकारिता विश्वास सारंग की अध्यक्षता में हुई बीज संघ की संचालक मण्डल की बैठक

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि बीज संस्थाओं द्वारा प्रमाणित बीज के विपणन का कार्य नये ब्रॉन्ड नेम के साथ किया जाए। इसके लिये आकर्षक लोगो तैयार किया जाए। मंत्री सारंग मंगलवार को मंत्रालय में राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं विपणन संघ के संचालक मण्डल की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त मोहम्मद सुलेमान और अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णबाल उपस्थित थे।

मंत्री सारंग ने कहा कि पैक्स, अन्य सहकारी संस्थाओं तथा निजी व्यवसायियों के माध्यम से स्थानीय कृषकों को प्रमाणित बीज विपणन का कार्य हो।

उन्होंने विपणन विशेषज्ञ एवं बीज उत्पादन से संबंधित तकनीकी विशेषज्ञ की सेवायें लेने को भी कहा। उन्होंने कहा कि क्वालिटी कंट्रोल, मार्केटिंग और पैकेजिंग पर आवश्यक ध्यान दिया जाये। इस कार्यवाही से पैक्स के 32 लाख कृषक सदस्यों, बीज सहकारी संस्थाओं के सदस्यों एवं अन्य कृषकों को बीज संघ द्वारा उच्च गुणवत्ता युक्त प्रमाणित बीज उपलब्ध कराया जा सकेगा।

गुणवत्तापूर्ण बीज से फसलों की उत्पादन क्षमता में होगी वृद्धि

मंत्री सारंग ने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग से किसानों के फसलों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि किसानों की खेती को उत्कृष्ट करने के लिए बीज संघ अपने ब्रांड के साथ गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराएगा। इसके लिए बीज संघ द्वारा विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाए। मंत्री सारंग ने कहा कि बीज संघ गुणवत्ता, विश्वसनीयता, स्थिरता और जलवायु अनुकूल बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करें। बैठक में निर्णय लिया गया कि, बीज संघ प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर व्यावसायिक विकास केन्द्र स्थापित कर उनके माध्यम से अपनी गतिविधि संचालित करेगा।

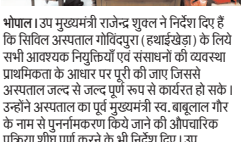

सिविल अस्पताल गोविंदपुरा (हथाईखेड़ा) के सुदृढ़ीकरण की आवश्यक व्यवस्थाएँ शीघ्र करें पूर्णः राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि सिविल अस्पताल गोविंदपुरा (हथाईखेड़ा) के लिये सभी आवश्यक नियुक्तियाँ एवं संसाधनों की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाए जिससे अस्पताल जल्द से जल्द पूर्ण रूप से कार्यरत हो सके। उन्होंने अस्पताल का पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर के नाम से पुनर्नामकरण किये जाने की औपचारिक प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए संकल्पबद्ध है और इस दिशा में सभी आवश्यक कदम शीघ्र उठाए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल से पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने मंत्रालय, भोपाल में सौजन्य भेंट की। उन्होंने सिविल अस्पताल गोविंदपुरा (हथाईखेड़ा) की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के विषय पर विस्तृत चर्चा की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक: कल्याण मल जैन द्वारा समता प्रिंटर्स, बी-15 प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1 एमपी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित कराकर शॉप नम्बर 3 एसके टावर, अल्पना टॉकीज के पीछे, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक -कल्याण मल जैन, मो. 8349212122, स्थानीय संपादक: कथक मल जैन। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार किसी विवाद के लिये न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)